घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 148- मंगलवार 31- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

लोकसभा से दिवाला और दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक-2025 पारित

बस्तर से लाल आतंक खत्म,हथियार उठाने वालों को बख्शेंगे नहीं : शाह

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में 'नक्सल मुक्त भारत' मुद्दे पर चर्चा के दौरान सरकार की तरफ से जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। शाह ने कहा...मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि आजादी के बाद 75 साल में 60 साल तो आपने राज किया। फिर आदिवासी विकास से क्यों बच गए। आपने 60 साल के दौरान आदिवासियों तक घर,स्कूल,मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हो। अपने गिरेबान में झांककर देखिए। शाह ने कहा- 1970 से 2026 तक चले नक्सलवाद के घटनाक्रम की आज संसद में चर्चा हो रही है। जो लोग नक्सलवाद की वकालात करते हैं, उनसे पूछना चाहता हूं ये सब 1970 से अब तक क्यों नहीं हुआ था। संसद में आज नक्सलवाद पर चर्चा सरकार की तरफ से दी गई डेडलाइन खत्म होने से एक दिन पहले हो रही है। शाह कई बार 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा कर चुके हैं।

शाह बोले...नक्सलवाद का मूल कारण विकास नहीं, एक विचारधारा है...

शाह ने कहा...सरकार ने ढेर सारी योजनाएं बनाईं लेकिन आपने (कांग्रेस) उन्हें इम्प्लीमेंट नहीं करने दिया। 12 राज्यों में रेड कॉरिडोर था। वहां कानून का शासन नहीं था। 12 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे थे। किसी ने चिंता नहीं की। हजारों युवाओं की मौत हुई। एक NGO के मुताबिक, 20 हजार युवा मारे गए। लोग दिव्यांग हो गए। उन तक विकास नहीं पहुंचा। शाह ने कहा...इन सबके लिए कौन जिम्मेदार है। नक्सलवाद का मूल कारण विकास की डिमांड नहीं, एक विचारधारा है। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए 1970 से इंदिरा गांधी ने स्वीकार कर लिया कि वामपंथी विचारधारा के कारण नक्सलवाद फैला। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकारा था कि जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट की तुलना में देश की आंतरिक सुरक्षा में सबसे बड़ी समस्या माओवादी है।

शाह ने कहा...आदिवासियों के जरिए सत्ता हासिल करना नक्सल विचारधारा का मकसद

शाह ने कहा...ये जो बड़ी घटना देश में आकार लेने जा रही है उसका श्रेय सीएपीएफ खासकर कोबरा,सीआरपीएफ के जवान और छत्तीसगढ़ पुलिस और वहां के स्थानीय आदिवासी बाशिंदों को जाता है। यहां पर वामपंथी उग्रवाद समाप्त होने जा रहा है। इसमें वहां की जनता का भी बहुत बड़ा हाथ है। जो हजारों युवा मारे गए, जो जवान शहीद हो गए उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। गृह मंत्री ने कहा...नक्सलियों की विचारधारा का विकास से कोई लेना-देना नहीं है। जब हम आजाद हुए हमने कहा 'सत्यमेव जयते'। सत्य की हमेशा विजय हो। इनका ध्रुव वाक्य है- सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। यहां सत्ता शब्द का संबंध अपनी विचारधारा की विजय के लिए है। विचारधारा को आदिवासियों में फैलाकर सत्ता हासिल करने के लिए है।

लोकसभा में इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) बिल पास

लोकसभा ने सोमवार को ध्वनि मत से हितधारकों के बीच व्याख्या संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए लाया गया दिवाला और दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक-2025 पारित कर दिया। इस विधेयक का उद्देश्य दिवाला और दिवालियापन संहिता-2016 में और संशोधन करना है। लोकसभा ने आज ध्वनि मत से'इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) विधेयक-2025' पारित कर दिया। यह विधेयक शुरू में एक प्रवर समिति के पास भेजा गया था। इसे इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड 2016 में और संशोधन करने के लिए पेश किया गया है,ताकि कंपनियों और व्यक्तियों के बीच प्रक्रियागत देरी और व्याख्या संबंधी मुद्दों का समाधान किया जा सके। लोकसभा में दिवाला और दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक,2025' पर हुई विस्तृत चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि दिवाला और दिवालियापन संहिता का उद्देश्य कभी भी केवल ऋण वसूली के तंत्र के रूप में काम करना नहीं था,बल्कि इसका उद्देश्य व्यवहार्य व्यवसायों को बचाने,वित्तीय संकट को हल करने और उद्यम के मूल्य को बनाए रखने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना था। सीतारमण ने चर्चा के दौरान कहा कि दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) संशोधन विधेयक में कुल 12 संशोधन हैं, जिनमें से 11 चयन समिति के सुझाए गए हैं और एक सरकार ने पेश किया है।

महुआ बोलीं- हमने वेलफेयर पर जोर देकर पश्चिम बंगाल को नक्सल मुक्त बनाया

महुआ मोइत्रा ने नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान कहा कि आज देश राइटविंग आतंकवाद से त्रस्त है। एनर्जी क्राइसिस से निपटने के लिए किसी रोडमैप की कोई बात नहीं हो रही है। आज आपने अचानक नक्सलवाद पर चर्चा शुरू करा दी। कितने महान हैं अमित शाह जी, सबको ठोक कर ठंडा कर दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद 1969 में सिलीगुड़ी के पास नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ और बाकी जगह फैला। लेफ्ट विंग एक्स्ट्रीमिज्म कानून-व्यवस्था की परेशानी नहीं थी। आज बीजेपी दावा कर रही है कि हमने इस समस्या का समाधान कर दिया। मनरेगा,फॉरेस्ट राइट्स एक्ट जैसे कदमों का इसमें बड़ा योगदान रहा। 2019 से 2025 के बीच किलिंग बढ़ी,गिरफ्तारियां कम हुईं। सिक्योरिटी रिलेटेड फंड्स 44 परसेंट खर्च नहीं हुए इस वित्तीय वर्ष में। महुआ मोइत्रा ने 2011 से 2017 के बीच नक्सलियों के सरेंडर के आंकड़े बताए और कहा कि हमने मिलिट्री पावर यूज नहीं की। हमने वेलफेयर पर जोर देकर पश्चिम बंगाल को नक्सल मुक्त बनाया।

नीतीश कुमार का बिहार विधान परिषद से तो नितिन नवीन का विधानसभा से इस्तीफा राज्यसभा में करेंगे नई पारी की शुरुआत

पटना,30 मार्च 2026। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया? नीतीश के साथ बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी अपनी विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। अब दोनों नेता राज्यसभा में अपनी राजनीतिक पारी की नई शुरुआत करेंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नितिन नवीन 16 मार्च को राज्यसभा सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए थे, इसलिए 30 मार्च यानी आज उन्हें एक सदन से इस्तीफा देना था। राज्यसभा में जाने के बाद नीतीश कुमार उन गिने-चुने नेताओं की श्रेणी में शामिल हो जाएंगे,जिन्होंने लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद इन चारों सदनों का प्रतिनिधित्व किया है। नीतीश कुमार ने 1985 में हरनौत (नालंदा) से पहली बार विधायक बनकर करियर की शुरुआत की। 1989 में बाढ़ (पटना) से पहली बार लोकसभा पहुंचे। नीतीश कुमार ने केंद्र में रेल मंत्री, कृषि मंत्री और भूतल परिवहन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे,जहां उन्होंने रेलवे में व्यापक सुधार लागू किए। नीतीश कुमार साल 2005 से बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की कमान संभाल रहे हैं और 'सुशासन बाबू' के रूप में अपनी पहचान बनाई। बिहार में शराबबंदी,साइकिल योजना और पंचायती राज में महिलाओं को 50% आरक्षण जैसे क्रांतिकारी फैसलों का श्रेय नीतीश कुमार को दिया जाता है।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला...

ईरान-रूस से तेल खरीदने के लिए ट्रंप से लेनी पड़ रही इजाजत

कोट्टायम,30 मार्च 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल के कोट्टायम में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखे प्रहार किए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की वजह से भारत की अपनी मर्जी से तेल खरीदने की ताकत खत्म हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत को ईरान या रूस जैसे देशों से तेल खरीदने के लिए भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अनुमति लेनी पड़ती है। उन्होंने केरल की एलडीएफ सरकार को भी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा और रबर किसानों के लिए बड़े वादे किए। राहुल गांधी ने जनसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता करके हमारे किसानों के अधिकार छीन लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आधुनिक भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने देश की ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। राहुल ने कहा कि आज भारत अपनी मर्जी से पेट्रोल या डीजल नहीं खरीद सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मध्य पूर्व के हालातों की वजह से आर्थिक संकट आने वाला है, लेकिन 140 करोड़ लोगों का देश अपनी मर्जी से तेल नहीं खरीद पा रहा है। केरल के रबर किसानों का मुद्दा उठाते हुए राहुल गांधी ने एलडीएफ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एलडीएफ ने 2016 के घोषणापत्र में रबर की कीमत 250 रुपये करने का वादा किया था, जिसे पिछले 10 साल में पूरा नहीं किया गया। उन्होंने घोषणा की कि राज्य में यूडीएफ की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में रबर की कीमत 250 रुपये तय की जाएगी और बाद में इसे 300 रुपये तक ले जाया जाएगा। राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, 'केरल के मुख्यमंत्री से कितने घंटे पूछताछ हुई? क्या वह जमानत पर बाहर हैं? क्या उनके बच्चों और उनके परिवार से पूछताछ की गई है? जब एलडीएफ नेतृत्व ने सबरीमाला मंदिर से सोना चुराकर उसकी जगह पीतल लगा दिया, तो प्रधानमंत्री इस पर कुछ क्यों नहीं कहते?' उन्होंने कहा कि पीएम खुद को हिंदुत्व का रक्षक बताते हैं, लेकिन इस चोरी पर कुछ नहीं बोलते। हालांकि, राहुल गांधी के इन दावों पर पलटवार भी हो रहा है।

जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पिछले भाषणों में सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। पीएम मोदी ने इसी साल जनवरी में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि सबरीमाला की परंपराओं को बचाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। पीएम ने वादा किया था कि अगर राज्य में बीजेपी की सरकार आती है, तो सोने की चोरी की जांच कराई जाएगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण की अधिसूचना जारी,नामांकन प्रक्रिया शुरू

कोलकाता,30 मार्च 2026। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के पहले चरण की अधिसूचना जारी कर दी, जिसके साथ ही राज्य में चुनाव प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। अधिसूचना जारी होने के बाद उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। वहीं,दूसरे चरण में शेष 142 सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। इसके लिए अधिसूचना दो अप्रैल को जारी की जाएगी। पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि छह अप्रैल तय की गई है,जबकि नामांकन पत्रों की जांच सात अप्रैल को होगी। उम्मीदवार नौ अप्रैल तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। दूसरे चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि नौ अप्रैल,जांच 10 अप्रैल और नाम वापसी की अंतिम तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई है।

सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित जालसाजी का आरोप,सुनवाई 18 अप्रैल को...

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। राउज एवेन्यू कोर्ट में सोनिया गांधी के खिलाफ गैरकानूनी तरीके से मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के मामले में सुनवाई अब 18 अप्रैल को होगी। सोनिया गांधी के खिलाफ बिना भारतीय नागरिकता प्राप्त किए वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने की कथित जालसाजी की शिकायत की गई है। याचिकाकर्ता ने इसकी जांच कराने और मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वकील विकास त्रिपाठी की ओर से दाखिल रिवीजन पिटीशन पर अदालत में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील ने अपनी बहस पूरी कर दी, लेकिन सोनिया गांधी की तरफ से दलीलें पूरी नहीं हो सकीं। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 18 अप्रैल की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान राउज एवेन्यू कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से कई सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि यह मामला लगभग आधी सदी पुराना है और आप एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। जांच किस स्तर पर और कैसे होगी? कोर्ट ने यह भी पूछा कि आप मामले का दायरा बढ़ा रहे हैं। अदालत ने कहा कि आप जो जानकारी दे रहे हैं, वह सिर्फ नाम जोड़ने और हटाने की परिस्थितियों तक सीमित है। याचिकाकर्ता के वकील ने जवाब देते हुए कहा कि यह एक विदेशी नागरिक द्वारा की गई गलत घोषणा का मामला है।

असम में 10 साल में बीजेपी की विकास यात्रा

नितिन बोले...कांग्रेस ने घुसपैठियों को अनुमति दी

गुवाहाटी,30 मार्च 2026। असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उसने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में प्रवेश करने की अनुमति दी। लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद इनकी एंट्री को रोका गया और अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालने का काम किया गया। एक चुनावी रैली में नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने जब पारंपरिक असमिया 'गमोचा' पहनने का प्रस्ताव रखा गया,तो उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया,जिससे असमवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंची। वहीं, मस्जिद में जाते समय वह आराम से सिर पर टोपी पहनते हैं। नवीन ने कहा कांग्रेस ने अवैध घुसपैठियों का समर्थन किया।

आंध्र प्रदेश : नेवी कर्मचारी ने प्रेमिका के तीन टुकड़े किए थाने पहुंचकर अपराध कबूला

विशाखापत्तनम,30 मार्च 2026। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक शादीशुदा नेवी कर्मचारी ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। आरोपी ने शव के 3 टुकड़े किए। एक हिस्सा फ्रिज में छिपा दिया, दूसरा बोरे में भरकर बेड के नीचे रख दिया और तीसरा यानी सिर को सुनसान इलाके में ले जाकर जला दिया। वारदात के समय पत्नी मायके गई थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी चिंतादा रविंद्र (35) नेवी कर्मचारी हैं। वह आईएनएस डेगा में तैनात है। रविंद्र ने रविवार दोपहर अपनी 29 साल की प्रेमिका मोनिका को घर बुलाया था। शाम के समय दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसने हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर अपराध कबूल कर लिया। पुलिस के जांच में सामने आया कि रविंद्र ने मोनिका की चाकू से हत्या की। रविंद्र और मोनिका की मुलाकात 2021 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी।

न्यू मैंगलोर पोर्ट के बर्थ-9 के पुनर्विकास को मंजूरी

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। केंद्र सरकार ने न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी के बर्थ संख्या-9 के पुनर्विकास प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत तरल बल्क कार्गो की हैंडलिंग क्षमता बढ़ाने और समुद्री दक्षता को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय बंदरगाह,पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के मुताबिक,यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत डीबीएफओटी आधार पर लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत पुराने ढांचे को हटाकर बर्थ संख्या-9 का आधुनिक तरीके से पुनर्विकास किया जाएगा, जहां कच्चा तेल,पेट्रोलियम उत्पाद और एलपीजी जैसे तरल कार्गो की हैंडलिंग की जाएगी। परियोजना के तहत बर्थ की गहराई वर्तमान 10.5 मीटर से बढ़ाकर 14 मीटर की जाएगी,जिसे भविष्य में 19.8 मीटर तक बढ़ाने की व्यवस्था भी होगी। इससे 2 लाख डीडब्ल्यूटी तक के बड़े जहाजों, जिनमें वीएलजीसी भी शामिल हैं,को संभालना संभव होगा। केंद्रीय बंदरगाह,पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के समुद्री बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में अरेस्ट

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक,शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक,शब्बीर दिल्ली,कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था। साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर रेड मारी थी। CIK के मुताबिक,इस मामले के तार एक ट्रांजैक्शनल नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं, जिसमें मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे। सुरक्षा एजेंसियां 2 महीनों से शब्बीर की गतिविधियों पर नजर रखे थीं।

जनगणना 2026 : पहले चरण के लिए 33 सवाल तय

ऑनलाइन पोर्टल पर भी जानकारी दे सकेंगे,लिव-इन कपल को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। जनगणना-2026 का पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है। केंद्र सरकार ने इसके लिए 33 सवाल जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि स्थिर रिश्ते में रहने वाले लिव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा कि उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है। पहले चरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है,जहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। उनकी मदद के लिए इस पोर्टल पर स्नक्त(अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) भी दिए गए हैं। यह चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' कहलाता है। इसका मकसद देश में घरों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी जुटाना है,ताकि सरकार बेहतर योजनाएं बना सके। दूसरे चरण में आबादी से जुड़ी डिटेल जानकारी ली जाएगी। भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण कहते हैं, 'जनगणना की संदर्भ तिथि (रेफरेंस डेट) बहुत महत्वपूर्ण है। संदर्भ समय 1 मार्च की आधी रात है, जो 28 फरवरी 2027 और 1 मार्च 2027 के बीच पड़ती है। इस संदर्भ तिथि का उल्लेख 16 जून 2025 को जारी पहली अधिसूचना में किया गया था, जिसमें जनगणना कराने के इरादे की घोषणा की गई थी। इसी संदर्भ तिथि के कारण इसे जनगणना 2027 कहा जाता है। 16 जून, 2025 को अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद प्रक्रिया शुरू हो गई थी, लेकिन संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 ही बनी हुई है। जनगणना के परिणामों से प्रत्येक प्रशासनिक इकाई, राज्य, जिले, गांव और वार्ड की जनसंख्या और विभिन्न आंकड़ों की एक झलक मिलेगी, जैसा कि वे 1 मार्च, 2027 को 00:00 बजे की स्थिति में होंगे। इसलिए यह संदर्भ तिथि बहुत महत्वपूर्ण है।

भारत में जनगणना दो चरणों में की जाती है। पहला चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' है, जिसमें घरों की सूची बनाना और उनकी गिनती करना शामिल है।'

पहला फेज 1 अप्रैल 2026 से...

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 8 जनवरी को बताया था कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल, जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था। यह अब 2027 में पूरी होगी।

संपादकीय

समान संहिता पर राह दिखाते राज्य

गुजरात में बहुमत से पारित यूसीसी

गुजरात विधानसभा ने गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल, 2026 पारित कर दिया है,जिससे यह उत्तराखंड के बाद यूसीसी लागू करने वाला दूसरा राज्य बन गया है।

गत दिनों गुजरात विधानसभा में विस्तृत चर्चा के बाद 'गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल, 2026' को बहुमत से पारित कर दिया गया। इस कदम के साथ गुजरात, उत्तराखंड के बाद दूसरा ऐसा राज्य बन गया है,जहां व्यक्तिगत मामलों में धर्म-आधारित अलग-अलग कानूनों के स्थान पर एकसमान कानूनी ढांचा लागू किया गया है। विधेयक के अनुसार विवाह समारोह धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न किए जा सकते हैं, किंतु उनका पंजीकरण अनिवार्य होगा। पंजीकरण न कराने की स्थिति में दस हजार रुपये तक का जुर्माना निर्धारित किया गया है। विवाह की न्यूनतम आयु पुरुषों के लिए 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष तय की गई है।

बहुविवाह को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है तथा पति या पत्नी के जीवित रहते दूसरा विवाह अमान्य माना जाएगा। तलाक के आधारों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है,जिनमें क्रूरता,परित्याग,व्यभिचार,मतांतरण और मानसिक विकार शामिल हैं। साथ ही आपसी सहमति से तलाक का प्रविधान भी रखा गया है, किंतु विवाह के एक वर्ष के भीतर तलाक की अनुमति नहीं दी जाएगी। लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता देते हुए उसके पंजीकरण को अनिवार्य किया गया है। यदि किसी पक्ष की आयु नाबालिग पाई जाती है,तो उसके माता-पिता को सूचित किया जाएगा। लिव-इन संबंध से जन्मे बच्चे को वैध संतान का दर्जा दिया जाएगा तथा महिला साथी को भरण-पोषण का अधिकार प्रदान किया गया है। बच्चों के पालन-पोषण में माता-पिता, दोनों की समान जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई है। साथ ही उत्तराधिकार और संपत्ति के बंटवारे में पूर्ण लैंगिक समानता लागू की गई है, जिससे विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों के कारण उपजी असमानताओं को समाप्त करने का प्रयास किया गया है।

यह कानून पूरे गुजरात में लागू होगा और गुजरात के वे मूल निवासी, जो राज्य के बाहर रहते हैं, उन पर भी प्रभावी रहेगा। इसके अंतर्गत वे व्यक्ति भी शामिल किए गए हैं, जो पिछले दस वर्षों से लगातार गुजरात में निवास कर रहे हैं या राज्य अथवा केंद्र सरकार की सेवा में कार्यरत हैं। हालांकि अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को इस कानून से छूट प्रदान की गई है, ताकि उनकी पारंपरिक प्रथाओं और सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

इसमें जबरन विवाह पर दंड का प्रविधान किया गया है, साथ ही हलाला जैसी कुप्रथाओं को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया है। इस कानून के लागू होने का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव लैंगिक न्याय के क्षेत्र में दिखाई देगा। महिलाओं को अब सभी समुदायों में संपत्ति, उत्तराधिकार और भरण-पोषण के मामलों में समान अधिकार प्राप्त होंगे। लिव-इन संबंधों में आर्थिक सुरक्षा मिलने से उनकी स्थिति अधिक सुदृढ़ होगी और बच्चों के अधिकार भी सुरक्षित रहेंगे। पंथ के आधार पर कानूनी भेदभाव समाप्त होने से सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा।

अंतर्धार्मिक विवाह अधिक सुगम होंगे और संपत्ति से जुड़े विवादों में जटिलताएं भी कम होने की संभावना है।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है,तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है...

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

भारत जैसे विशाल,विविधता पूर्ण और लोक तांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़,झारखंड,ओडिशा,बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया,बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे,बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़,झारखंड,ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही,जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं,बल्कि विकास,पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4 जी नेटवर्क का विस्तार,स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गेगों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता,रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

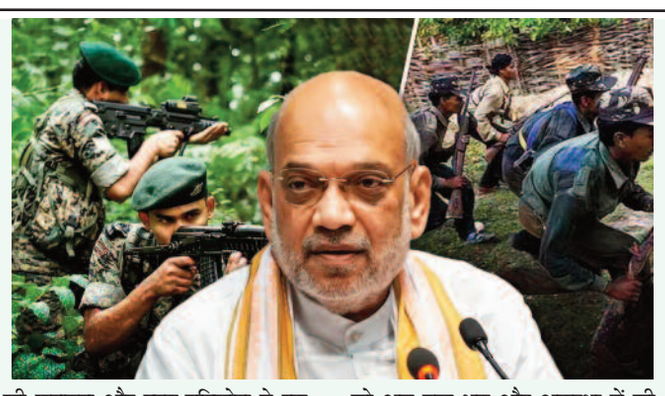

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह

की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक,बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया,वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था,वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं,बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी,तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे,अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे,वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज,सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र,विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति,समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल
नजफ्फगढ़,नई दिल्ली

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत,तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ,लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा,संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें,जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे,जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है,आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण,जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है,तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा,सत्य,संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध,मान,माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है,उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बेहतर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं,जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दर्शाता है।

आज जब समाज हिंसा,असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है,तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि,सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव,करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

हनुमान जयंती

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़

भारतीय सांस्कृतिक चेतना के आकाश में पवनपुत्र हनुमान एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र हैं जिनकी आभा युगों-युगों से मानवता को आलोकित कर रही है और आज जब समूचा राष्ट्र हनुमान जयंती का महापर्व मना रहा है तो यह केवल एक तिथि का स्मरण मात्र नहीं बल्कि उस अदम्य साहस,निस्वार्थ सेवा और समर्पण के उत्सव का दिन है जो हर युग में प्रासंगिक है। हनुमान जी का चरित्र शक्ति और विनम्रता के उस अद्भुत समन्वय को दर्शाता है जहाँ अतुलितबलधामं होने के बावजूद अहंकार का लेशमात्र भी अस्तित्व नहीं है और यही गुण उन्हें समस्त ज्ञानियों में अग्रगण्य बनाता है क्योंकि वर्तमान समय में जहाँ सामर्थ्य अक्सर उद्दंडता को जन्म देता है वहाँ महावीर हमें सिखाते हैं कि वास्तविक शक्ति वही है जो मर्यादा के भीतर रहकर लोक-कल्याण के लिए समर्पित हो। रामायण के प्रत्येक प्रसंग में वे एक ऐसे संकटमोचन के रूप में उभरते हैं जो बाधाओं को समस्या नहीं बल्कि समाधान की दृष्टि से देखते हैं चाहे वह दुर्गम समुद्र को लांघना हो या लक्ष्मण के प्राणों के लिए संजीवनी बूटी लाना हो क्योंकि उनकी कार्यसंस्कृति स्पष्ट करती है कि यदि लक्ष्य नेक हो और मन में अडिग विश्वास हो तो असंभव शब्द का कोई अर्थ नहीं रह जाता। आज के आत्म-केंद्रित युग में हनुमान जी की भक्ति और उनका दास भाव हमें यह बोध कराता है कि जब व्यक्ति किसी उच्च उद्देश्य के प्रति स्वयं को समर्पित कर देता है तो उसकी व्यक्तिगत सीमाएं समाप्त हो जाती हैं और वह ईश्वरीय ऊर्जा का साक्षात माध्यम बन जाता है। विशेषकर आज की युवा पीढ़ी जो मानसिक तनाव और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है उसके लिए हनुमान जी का व्यक्तित्व अनुशासन, एकाग्रता और बौद्धिक चातुर्य का एक जीवंत प्रेरणापुंज है जो सिखाता है कि शारीरिक बल के साथ-साथ मानसिक शुद्धता और विकारों का शमन ही व्यक्तित्व के पूर्ण विकास का मार्ग है। अतः इस पावन अवसर पर उनकी पूजा और अर्चना की वास्तविक सार्थकता तभी है जब हम उनके गुणों का एक लघु अंश भी अपने आचरण में उतार सकें और समाज की बुराइयों के विरुद्ध वज्र बनकर खड़े हों तथा पीड़ितों के प्रति कोमल सेवा भाव रखें ताकि राष्ट्र निर्माण में अपनी शक्ति का सदुपयोग सुनिश्चित हो सके।

जहाँ समर्पण गहरा हो,वहीं शक्ति का वास होता है,
संकल्प अटल हो,तो हर संकट का विनाश होता है।

अमावस्या के दिन क्यों होते हैं भूत-प्रेत सक्रिय

जयराम मिश्रा
अम्बिकापुर,सरगुजा,छत्तीसगढ़

रहस्यमयी होती है अमावस्या, नकारात्मक शक्ति का अधिक प्रभाव रहता है। हिन्दू धर्म में पूर्णिमा, अमावस्या और ग्रहण के रहस्य को उजागर किया गया है। इसके अलावा वर्ष में ऐसे कई महत्वपूर्ण दिन और रात हैं जिनका धरती और मानव मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उनमें से ही माह में पड़ने वाले 2 दिन सबसे महत्वपूर्ण हैं-पूर्णिमा और अमावस्या। पूर्णिमा और अमावस्या के प्रति बहुत से लोगों में डर है। खासकर अमावस्या के प्रति ज्यादा डर है। वर्ष में 12 पूर्णिमा और 12 अमावस्या होती हैं। सभी का अलग-अलग महत्व है।

हिन्दू पंचांग के अनुसार माह के 30 दिन को चन्द्र कला के आधार पर 15-15 दिन के 2 पक्षों में बांटा गया है-शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष। शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन को पूर्णिमा कहते हैं और कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन को अमावस्या।

अमावस्या :- वर्ष के मान से उत्तरायण में और माह के मान से शुक्ल पक्ष में देव आत्माएं सक्रिय रहती हैं तो दक्षिणायन और कृष्ण पक्ष में दैत्य आत्माएं ज्यादा सक्रिय रहती हैं। जब दानवी आत्माएं ज्यादा सक्रिय रहती हैं,तब मनुष्यों में भी दानवी प्रवृत्ति का असर बढ़ जाता है इसीलिए उक्त दिनों के महत्वपूर्ण दिन में व्यक्ति के मन-मस्तिष्क को धर्म की ओर मोड़ दिया जाता है।

अमाश्वस्या के दिन भूत-प्रेत,पितृ, पिशाच,निशाचर जीव-जंतु और दैत्य ज्यादा सक्रिय और उन्मुक्त रहते हैं। ऐसे दिन की प्रकृति को जानकर विशेष सावधानी रखनी चाहिए। प्रेत के शरीर की रचना में 25 प्रतिशत फिजिकल एटम और 75 प्रतिशत ईथरिक एटम होता है। इसी प्रकार पितृ शरीर के निर्माण में 25 प्रतिशत ईथरिक एटम और 75 प्रतिशत एस्ट्रल एटम होता है। अगर ईथरिक एटम सघन हो जाए तो प्रेतों का छायाचित्र लिया जा सकता है और इसी प्रकार यदि एस्ट्रल एटम सघन हो जाए तो पितरों का भी छायाचित्र लिया जा सकता है।

ज्योतिष में चन्द्र को मन का देवता माना गया है। अमावस्या के दिन चन्द्रमा दिखाई नहीं देता। ऐसे में जो लोग अति भावुक होते हैं,उन पर इस बात का सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। लड़कियां मन से बहुत ही भावुक होती हैं। इस दिन चन्द्रमा नहीं दिखाई देता तो ऐसे में हमारे शरीर में हलचल अधिक बढ़ जाती है। जो व्यक्ति नकारात्मक सोच वाला होता है उसे नकारात्मक शक्ति अपने प्रभाव में ले लेती है।

धर्मग्रंथों में चन्द्रमा की 16 वीं कला को अमा कहा गया है। चन्द्रमंडल की अमा नाम की महाकला है जिसमें चन्द्रमा की 16 कलाओं की शक्ति शामिल है। शास्त्रों में अमा के अनेक नाम आए हैं,जैसे अमावस्या, सूर्य-चन्द्र संगम,पंचदशी,अमावसी,अमावासी या अमामासी। अमावस्या के दिन चन्द्र नहीं दिखाई देता अर्थात जिसका क्षय और उदय नहीं होता है उसे अमावस्या कहा गया है, तब इसे कुहू अमावस्या भी कहा जाता है।

अमावस्या माह में एक बार ही आती है। शास्त्रों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। अमावस्या सूर्य और चन्द्र के मिलन का काल है। इस दिन दोनों ही एक ही राशि में रहते हैं। सोमवती अमावस्या, भौमवती अमावस्या,मौनी अमावस्या, शनि अमावस्या,हरियाली अमावस्या, दिवाली अमावस्या,सर्वपितृ अमावस्या आदि मुख्य अमावस्या होती है।

अमावस्या के दिन क्या न करें....

इस दिन किसी भी प्रकार की तामसिक वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए।

इस दिन शराब आदि नशे से भी दूर रहना चाहिए। इसके शरीर पर ही नहीं, आपके भविष्य पर भी दुष्परिणाम हो सकते हैं।

जानकार लोग तो यह कहते हैं कि चौदस, अमावस्या और प्रतिपदा उक्त 3 दिन पवित्र बने रहने में ही भलाई है।

भाग्य-सेंसर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

बेलतारा गांव के सबसे बड़े लफ्फाज फरेब दास ने जब इस बार प्रधानी का परचा भरा,तो उन्होंने सड़कों और बिजली जैसे उबाऊ मुद्दों को दरकिनार कर दिया। उनका नया चुनावी शगूफा था–एंटी-बदकिस्मती कवच और नक्षत्र-सेंसर योजना। फरेब दास का तर्क था कि गांव की असली समस्या गरीबी नहीं, बल्कि खराब ग्रहों की चाल है, जो सड़क पर बिछे रोड़ों से भी ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने घोषणा की कि जीतते ही वे गांव के हर घर की छत पर एक नक्षत्र-फिल्टर लगवाएंगे, जो राहु-केतु की कुदृष्टि को सोखकर उसे सकारात्मक ऊर्जा में बदल देगा। गांव के लोग, जो अपनी हर नाकामी का दोष शनिदेव के माथे मढ़कर निश्चिंत हो जाते थे, अचानक इस एस्ट्रो-टेक क्रांति के पीछे ऐसे दीवाने हुए कि उन्हें लगने लगा कि अब बिना मेहनत किए ही छप्पर फाड़कर धन बरसेगा।

प्रचार के अंतिम पड़ाव पर फरेब दास ने गांव के चौराहे पर एक किस्मत-स्कैनर लगाया। यह वास्तव में एक पुराना कबाड़ हो चुका फोटोकॉपी मशीन का ऊपरी हिस्सा था, जिस पर उन्होंने दीपावली वाली झालरें लपेट दी थीं। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने का संकल्प लेकर इस मशीन पर अपनी हथेली रखेगा,उसकी हस्तरेखाएं रिफ्रेश होकर सीधे इंद्रलोक के डेटाबेस से जुड़ जाएंगी। विपक्षी उम्मीदवार भोला नाथ खाद और सिंचाई की बातें कर रहे थे, लेकिन जनता को तो उस भविष्य की चिंता थी जहाँ उनकी फूटी किस्मत की मरम्मत होने वाली थी। फरेब दास ने एक पुराने रेडियो से विचित्र आवाजें निकालकर उसे ग्रहों का सिग्नल बताया और ग्रामीणों को विश्वास दिला दिया कि विधाता ने अब गांव की चाबी उन्हें सौंप दी है। लोग अपनी जमा-पूँजी फरेब दास के चरणों में चढ़ाने लगे ताकि उनके भाग्य का सॉफ्टवेयर अपडेट हो सके।

जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और फरेब दास की प्रचंड जीत हुई, पूरा गांव अपना किस्मत-अपग्रेड लेने उनके घर पहुँच गया। लोग चाहते थे कि अब उनके घर में नोटों की बारिश हो और दुख-तकलीफें परलोक सिधार जाएं। फरेब दास अपनी नई चमचमाती एसयूवी से उतरे और सबके हाथ में एक-एक नींबू और लाल मिर्च थमाते हुए बोले–भाइयों,मशीन का सर्वर डाउन हो गया है क्योंकि गांव में अविश्वास का वायरस बहुत ज्यादा है! जनता हक्की-बक्की रह गई,हुजूर,फिर हमारे भाग्य का क्या? फरेब दास ने ठहाका लगाया और गरज कर बोले, मूर्खों! तुम्हारा भाग्य तो उसी दिन फूट गया था जब तुमने एक कबाड़ मशीन के भरोसे अपना वोट मुझे बेच दिया। अब इन नींबू-मिर्च को अपने दरवाजे पर लटकाओ और अगले पांच साल अपनी बेवकूफी का नजर-बट्टू बनो। मैंने तो तुम्हारे वोटों से अपना राजयोग सिद्ध कर लिया है! जनता सन्न खड़ी उस नींबू को देख रही थी और फरेब दास भाग्य-सुधार की धूल उड़ाते हुए शहर की ओर निकल पड़े।

अनमोल वचन

कर्म

कर्म क्या है? मानव जीवन में कर्म का क्या महत्व है? कर्म से क्या पाया जा सकता है? कर्म कैसे हों? अकर्मी की क्या गति होती है और कर्मशील की क्या गति होती है? महान् विचारकों की दृष्टि में कर्म–

- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥ —भगवान् श्रीकृष्ण (गीता 2-47)
- इस संसार में कोई मनुष्य स्वभावतः किसी के लिए उदार, प्रिय या दुष्ट नहीं होता। अपने कर्म ही मनुष्य को संसार में गौरव अथवा पतन की ओर ले जाते हैं। —नारायण पण्डित
- कर्म करना बहुत अच्छा है, पर वह विचारों से आता है, इसलिए अपने मस्तिष्क को उच्च विचारों एवं उच्चतम आदर्शों से भर लो, उन्हें रात-दिन अपने सामने रखो, उन्हीं में से महान् कर्मों का जन्म होगा। —महर्षि अरविन्द
- केवल वही व्यक्ति सब की उपेक्षा उत्तम रूप से करता है जो पूर्णतया निस्वार्थी है, जिसे न धन की लालसा है, न कीर्ति की और न अन्य किसी वस्तु की। —स्वामी विवेकानन्द
- जो निष्काम कर्म की राह पर चलता है, उसे इसकी परवाह

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

छत्तीसगढ़ के विमानन क्षेत्र में नया अध्याय: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंबिकापुर-दिल्ली-कोलकाता हवाई सेवा का किया वर्चुअल शुभारंभ

उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी को मिलेगी नई उड़ान

व्यापार,पर्यटन और निवेश के खुलेंगे द्वार : मुख्यमंत्री साय

अम्बिकापुर (दरिमा) से दिल्ली और कोलकाता के लिए सप्ताह में दो-दो दिन संचालित होंगी उड़ानें

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज दिल्ली हवाई सेवा के बने पहले यात्री

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज छत्तीसगढ़ के विमानन मानचित्र पर एक नया गौरवशाली अध्याय जोड़ते हुए अम्बिकापुर (दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट) से दिल्ली और कोलकाता के लिए नियमित हवाई सेवा का वर्चुअल शुभारंभ किया। वहीं अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक साक्षी बने।

ऐतिहासिक उपलब्धि और सुगम आवागमन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में इस दिन को छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हवाई सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। दरिमा एयरपोर्ट से महानगरों के लिए विमान सेवा की लंबे समय से की जा रही मांग आज पूरी हुई है। इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सेवा के प्रारंभ होने से अंबिकापुर,बिलासपुर,दिल्ली और कोलकाता के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आवागमन सुगम बनेगा। अंबिकापुर से दिल्ली तथा कोलकाता के लिए सप्ताह में दो-दो दिन उड़ान संचालित होगी, जिससे सरगुजा एवं

बिलासपुर क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन उड़ानों के शुरू होने से अंबिकापुर,बिलासपुर,दिल्ली और कोलकाता के बीच कनेक्टिविटी बेहद मजबूत होगी। सप्ताह में दो-दो दिन इन सेवाओं के संचालन से सरगुजा और बिलासपुर संभाग के नागरिकों को अब सीधे देश की राजधानी और पूर्वी भारत के प्रमुख महानगर कोलकाता तक पहुंचने में आसानी होगी।

आर्थिक और औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार 'विकसित छत्तीसगढ़' के लक्ष्य की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है, जो विकसित भारत के अनुरूप है। हवाई सेवाओं का विस्तार इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत प्रदेश को लगातार लाभ मिल रहा है। हाल ही में रायपुर से रीवा के लिए भी विमान सेवा शुरू की गई है। एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि पिछले बजट में रायपुर एयरपोर्ट के विस्तार हेतु 39.80 करोड़ रुपये तथा जगदलपुर एवं दरिमा एयरपोर्ट के विकास हेतु 7.45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वर्तमान बजट में 'सीजी वायु योजना' के तहत 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में हवाई सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में बिलासपुर एयरपोर्ट को ऑल वेदर ऑपरेशन की सुविधा मिली है और नाइट लैंडिंग और टेकऑफ़ की शुरुआत भी की गई है,जो राज्य के एविएशन सेक्टर की बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एविएशन सेक्टर राज्य के आर्थिक विकास और निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद प्रदेश को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। विभिन्न शहरों में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से निवेशकों में छत्तीसगढ़ के प्रति उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य अब कृषि और मैन्यूफैक्चरिंग के साथ-साथ

पर्यटन, फार्मा,टेक्सटाइल,आईटी एवं शिक्षा जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है,जिसमें हवाई सेवाओं का विस्तार नई गति प्रदान करेगा। अंत में उन्होंने अम्बिकापुर से दिल्ली और कोलकाता के लिए विमान सेवा प्रारंभ होने पर सरगुजा वासियों,प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हवाई कनेक्टिविटी से समय की बचत और विकास को मिलेगी रफ्तार

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस ऐतिहासिक क्षण के अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि अब अम्बिकापुर से सीधे दिल्ली एवं कोलकाता पहुंचने में सुविधा प्राप्त होगी तथा हवाई कनेक्टिविटी से कम समय में हम आसानी से पहुंच जाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उड्डयन मंत्री एवं मुख्य मंत्री विष्णु देव साय का आभार प्रकट किया। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बहु प्रतीक्षित हवाई सेवा दिल्ली एवं कोलकाता के लिए प्रारंभ हो गई है यह अंबिकापुर एवं सरगुजा संभाग के लोगों के लिए खुशी की बात है। उन्होंने सरगुजा वासियों की तरफ से केंद्रीय नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि अम्बिकापुर से दिल्ली एवं कोलकाता के लिए हवाई सेवा आज से प्रारंभ हो गई है। हवाई सेवा प्रारंभ होने से व्यापार, पर्यटन एवं अन्य क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। वह स्वयं आज अंबिकापुर से दिल्ली के लिए यात्रा कर हवाई सेवा की साक्षी बने। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,उड्डयन मंत्री एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार प्रकट किया। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हवाई सेवा अम्बिकापुर से प्रारंभ होना हमारे लिए गौरव की बात है इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी एवं दिल्ली कोलकाता जाने में सुविधा होगी तथा पर्यटन एवं व्यापार सहित अन्य क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि हवाई सेवा का प्रारंभ होना जिले के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। आज से अम्बिकापुर दरिमा से हवाई सेवा प्रारंभ हो गई है जो गौरव की बात है इससे अम्बिकापुर सहित संभाग के लोगों को दिल्ली एवं कोलकाता पहुंचने में सुविधा मिलेगी तथा पर्यटन,संस्कृति एवं व्यापार के क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा,आईजी दीपक झा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल,स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

एलायंस एयर का फ्लाइट शेड्यूल (सप्ताह में 4 दिन)

विमानन कंपनी एलायंस एयर द्वारा इन उड़ानों का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट बुकिंग आधिकारिक वेबसाइट पर प्रारंभ हो चुकी है।

दिल्ली रूट (सोमवार और बुधवार)

सोमवार (फ्लाइट नं. 91613) दिल्ली से बिलासपुर होते हुए सुबह 11:35 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। वापसी में दोपहर 12:00 बजे अम्बिकापुर से सीधे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। बुधवार (फ्लाइट नं. 91614) दिल्ली से सुबह 10:25 बजे अम्बिकापुर आगमन और दोपहर 12:00 बजे बिलासपुर होते हुए दिल्ली प्रस्थान करेगी।

कोलकाता रूट (गुरुवार और शनिवार)

शनिवार (फ्लाइट नं. 91763) कोलकाता से बिलासपुर होते हुए सुबह 10:00 बजे अम्बिकापुर आगमन और 10:25 बजे सीधे कोलकाता प्रस्थान करेगी। गुरुवार (फ्लाइट नं. 91765) कोलकाता से सुबह 08:50 बजे अम्बिकापुर आगमन और 09:15 बजे बिलासपुर होते हुए कोलकाता प्रस्थान करेगी।

हैंडपंप को लेकर विवाद,युवक पर टांगी से हमला,इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पटोरा में मामूली विवाद ने एक युवक की जान ले ली। हैंडपंप चलाने की बात पर हुए झगड़े में एक व्यक्ति ने युवक पर टांगी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार,ग्राम पटोरा जोबलापारा निवासी राकेश (20) पिता स्व. बनारसी 29 मार्च को अपने दोस्तों रामसाय और संजय के साथ बाइक से ग्राम करेसर गया था। अटल चौक के पास उसे गांव का ही लूर साय मिला, जो जंगल की रखवाली करता है। राकेश ने पानी पीने के लिए लूर साय से हैंडपंप चलाने को कहा। इस बात पर लूर साय नाराज हो गया और दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। गुस्से में आकर लूर साय ने अपने पास रखी टांगी से राकेश के दाहिने पैर के घुटने के पास वार कर दिया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों और पुलिस ने घायल को धौरपुर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार,घुटने के पास नस कटने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी जान गई। लुण्ड्रा थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने बताया कि घटना मामूली विवाद में हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची थी,लेकिन आरोपी फरार हो गया। उसकी तलाश के लिए टीम लगाई गई है।

मन की बात' सुनकर उत्साहित हुए भाजपा कार्यकर्ता

भगवानपुर वार्ड-1 में प्रदेश महामंत्री की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

शहर के वार्ड क्रमांक-1 भगवानपुर में रविवार को प्रधानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी एवं वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर की विशेष उपस्थिति रही, जहां समलाया मंडल के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम के उपरांत प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करते हुए सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वहीं वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि 'मन की बात' एक ऐसा मंच है, जो हर नागरिक को प्रेरित करता है और सामाजिक एकता तथा राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की दिशा दिखाता है। समलाया मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने कार्यक्रम में शामिल सभी कार्यकर्ताओं एवं आमजन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के विचारों से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

आईजी दीपक झा का वार्षिक निरीक्षण,अनुशासन व पारदर्शिता पर दिया जोर...

परेड की सलामी ली,उत्कृष्ट पुलिसकर्मियों को किया पुरस्कृत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) दीपक कुमार झा ने सोमवार को सरगुजा जिले का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रक्षित केंद्र अंबिकापुर में परेड की सलामी ली और पुलिस बल के अनुशासन, वेश-भूषा व कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। निरीक्षण के दौरान आईजी ने रक्षित केंद्र में उपलब्ध शासकीय वाहनों की स्थिति देखी और उनके नियमित रख-रखाव के निर्देश दिए। साथ ही कैश शाखा,स्टोर शाखा और पुलिस कैंटीन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश संबंधित

अधिकारियों को दिए। इसके बाद आयोजित पुलिस दरबार में आईजी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को अनुशासन,ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

तकनीकी ज्ञान पर दिया जोर : आईजी झा ने सभी पुलिसकर्मियों को उत्तम गणवेश में रहने और सख्त अनुशासन पालन की सलाह दी। उन्होंने आधुनिक पुलिसिंग के लिए कंप्यूटर और तकनीकी ज्ञान को आवश्यक बताते हुए सभी के इसमें दक्ष होने के निर्देश दिए।

नशा व भ्रष्टाचार से दूर रहने की हिदायत

उन्होंने पुलिस बल को नशे और भ्रष्टाचार से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी। कहा कि यदि किसी पुलिसकर्मी की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निर्माण कार्यों का लोकार्पण

निरीक्षण के दौरान आईजी ने पीसीएंडआर मद से रक्षित केंद्र में कराए गए विभिन्न निर्माण व मरम्मत कार्यों जैसे बाउंड्री वॉल, मीटिंग हॉल, विशेष शाखा रिनोवेशन और परेड मंच का लोकार्पण भी किया। इससे पहले उन्होंने थाना गांधीनगर और पुलिस अधीक्षक कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा कार्यालयीन कार्यों को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

जेलों में शुरू होगी वीडियो-ऑडियो कॉलिंग सुविधा,बंदी अब परिवार से कर सकेंगे सीधे बात

बीएसएनएल के साथ एमओयू,राज्य की 33 जेलों में लगेगा प्रिजन कॉलिंग सिस्टम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ की जेलों में बंदियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। अब बंदी अपने परिजनों और वकीलों से वीडियो कॉल के जरिए सीधे बातचीत कर सकेंगे। इसके लिए जेल मुख्यालय और बीएसएनएल के बीच सोमवार को एमओयू किया गया। जेल विभाग के अनुसार, इस समझौते के तहत राज्य की सभी 33 जेलों में बीएसएनएल द्वारा निःशुल्क वीडियो और ऑडियो प्रिजन कॉलिंग सिस्टम स्थापित किया जाएगा। यह पहल बंदियों के मानवीय अधिकारों और उनके सामाजिक पुनर्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण

कदम मानी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय तक परिवार से दूरी के कारण बंदियों में तनाव और अवसाद बढ़ता है। ऐसे में यह सुविधा उनके मानसिक और भावनात्मक संतुलन को बनाए रखने में सहायक होगी और उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

पहले चरण में इन जेलों में सुविधा : प्रथम चरण में रायपुर, दुर्ग,बिलासपुर,अंबिकापुर और जगदलपुर की केंद्रीय जेलों सहित कई जिला जेलों में वीडियो और ऑडियो कॉलिंग सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। अन्य जेलों में चरणबद्ध तरीके से सुविधा का विस्तार किया जाएगा।

कम खर्च में मिलेगा लाभ : इस व्यवस्था के तहत बंदियों को सप्ताह में एक बार 5 मिनट के लिए कॉलिंग की सुविधा दी जाएगी। ऑडियो कॉल के लिए 1 रुपए प्रति मिनट और वीडियो कॉल के लिए 5 रुपए प्रति मिनट शुल्क निर्धारित किया गया है। इससे परिजनों को जेल आने-जाने में लगने वाला समय और खर्च भी बचेगा।

मुफ्त में उपलब्ध कराएगा बीएसएनएल सिस्टम

बीएसएनएल द्वारा सभी मशीन, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। जेल विभाग का मानना है कि इस पहल से जेल प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ेगी और बंदियों के पुनर्वास को नई दिशा मिलेगी।

साइबर ठगी से अर्जित रकम की हेरफेर के मामले तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना पुलिस ने बैंक खाते किराए पर देकर साइबर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा लोगों को झांसे में लेकर उनके खातों का उपयोग ऑनलाइन ठगी की रकम के लेन-देन में किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, गांधीनगर निवासी शौर्य प्रताप ने 29 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि परिचित ऋत्विक सिंह ने दिसंबर 2024 में डेयरी व्यवसाय के नाम पर 48,500 रुपए अपने खाते से निकलवा लिए। इसके बाद उसका बैंक खाता होल्ड हो गया। जांच में पता चला कि खाते का उपयोग साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में हुआ है।

जांच में सामने आया गिरोह : मामले की जांच के दौरान पुलिस ने ऋत्विक सिंह और उसके साथी अमन गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनों ने कबूल किया कि वे अन्य साथियों के साथ मिलकर बैंक खातों की खरीद-फरोख्त करते थे और इन्हीं खातों के जरिए ठगी की रकम ट्रांसफर करते थे। इसके अलावा आरोपी पियूष तिवारी के खाते में भी कई संदिग्ध ऑनलाइन ट्रांजेक्शन पाए गए। पूछताछ में उसने भी अपराध में शामिल होना स्वीकार किया।

मोबाइल व डाटा जब्त : पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं,जिनमें खातों और लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण डाटा मिला है। मामले में साक्ष्य मिलने पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

खड़गवां में सड़क नहीं,भ्रष्टाचार बिछा है,करोड़ों की सड़क 48 घंटे में खत्म

PWD की पोल खुली: बनते ही उखड़ी सड़क, जिम्मेदार कौन?

करोड़ों डकार गए ठेकेदार...सड़क बनी और तुरंत बिखर गई...

- मिट्टी पर डामर चढ़ाकर खेल खत्म... खड़गवां में खुला भ्रष्टाचार...
- सरकारी पैसे की LIVE लूट, सड़क बनी और आंखों के सामने टूट गई

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

खड़गवां विकासखंड में लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्यों ने विकास के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिन सड़कों को वर्षों तक टिकाऊ होना चाहिए था, वे निर्माण के महज कुछ ही दिनों–कहीं-कहीं घंटों–में ही उखड़ती नजर आ रही हैं, यह मामला न केवल निर्माण गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है, बल्कि विभागीय निगरानी, तकनीकी मानकों और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर आरोप खड़े करता है।

निर्माण के तुरंत बाद उखड़ने लगी सड़कें-

खड़गवां मुख्यालय में कूडाकूपारा से करवा मार्ग तक बनाई गई सड़क,जिसका निर्माण आयुष फ्लाई ऐश ब्रिक्स इंडस्ट्रीज द्वारा कराया गया,निर्माण के तुरंत बाद ही खराब होने लगी, हालात इतने खराब हैं कि स्थानीय ग्रामीण अपने हाथों से डामर उखाड़ते नजर आए। वाहनों के सामान्य आवागमन से ही सड़क की परतें टूटकर बिखर रही हैं,स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क की सतह कमजोर है,डामर की परत निर्धारित मोटाई के अनुसार नहीं डाली गई,निर्माण में जल्दबाजी और लापरवाही साफ दिखती है।

तकनीकी मानकों की खुली अनदेखी

सड़क निर्माण के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं जैसे डब्ल्यूबीएम (वाटर बाउंड मैकेडम) और डब्ल्यूएमएम का सही तरीके से पालन नहीं किया गया, सामान्यत इन सामग्रियों को प्लांट में मिक्स कर रोलर से दबाकर मजबूत बेस तैयार किया जाता है,लेकिन यहां यह प्रक्रिया या तो अधूरी रही या पूरी तरह नजरअंदाज की गई,इसके अलावा मिट्टी की सफाई किए बिना सीधे डामरीकरण कर दिया गया,रोलिंग और लेवलिंग का काम ठीक से नहीं हुआ,गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया संदिग्ध रही, इन सभी खामियों के कारण सड़क टिकाऊ नहीं बन पाई।

जनता के टैक्स की खुली बर्बादी

करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क का यह हाल दर्शाता है कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग हुआ है, गुणवत्ता नियंत्रण पूरी तरह विफल रहा है, जिम्मेदारों पर कार्रवाई का अभाव है, ग्रामीणों का कहना है कि जिन सड़कों को वर्षों तक चलना चाहिए, वे एक दिन भी नहीं टिक पा रहीं।

'सेटिंग' का खेल : ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत?

जब ग्रामीणों ने घटिया निर्माण का विरोध किया,तो मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने कथित रूप से कहा सारा काम सेटिंग से चल रहा है,जहां शिकायत करनी है कर लो,यह बयान इस पूरे मामले को और गंभीर बना देता है, इससे यह संकेत मिलता है कि निर्माण कार्य में पारदर्शिता नहीं है और ठेकेदार व विभागीय अधिकारियों के बीच सांठगांठ की संभावना है।

इंजीनियर की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

लोक निर्माण विभाग में पदस्थ इंजीनियर एस.के. लोध की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है,ग्रामीणों के अनुसार वे निर्माण स्थल पर शायद ही कभी मौजूद रहते हैं,फोन कॉल का जवाब नहीं देते,निर्माण कार्य की निगरानी प्रभावी नहीं है, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह केवल लापरवाही है या जानबूझकर की गई अनदेखी?

मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनदेखी

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाल ही में लोक निर्माण विभाग को सख्त निर्देश दिए थे कि निर्माण में गड़बड़ी मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाए,दोषी अधिकारियों पर सख्त कदम उठाए जाएं,ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए, इसके बावजूद खड़गवां में इस प्रकार की लापरवाही सामने आना प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर सवाल खड़े करता है।

सूचना बोर्ड तक नहीं, पारदर्शिता गायब

निर्माण कार्य स्थल पर सूचना बोर्ड तक नहीं लगाए गए हैं, जिससे परियोजना की लागत, ठेकेदार का नाम,निर्माण अवधि जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां आम जनता से छिपी हुई हैं,यह पारदर्शिता के नियमों का सीधा उल्लंघन है।

ग्रामीणों में आक्रोश...जांच की मांग...

स्थानीय लोगों में इस पूरे मामले को लेकर भारी नाराजगी है, ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच हो, दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई की जाए, भविष्य में गुणवत्ता से समझौता न किया जाए।

विकास या दिखावा?

खड़गवां की यह घटना केवल एक सड़क की खराब गुणवत्ता का मामला नहीं है, बल्कि यह पूरे सिस्टम में व्याप्त खामियों और संभावित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है, जहां एक ओर सरकार 'मॉडल सड़क' और 'सुशासन' की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर विकास कार्य दम तोड़ते नजर आ रहे हैं, अब देखना होगा कि यह मामला कार्रवाई तक पहुंचता है या फिर अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाता है।

संजय पार्क में हिरणों की मौत की जांच तेज,कांग्रेस जांच दल ने किया निरीक्षण

डीएफओ से मुलाकात,पोस्टमार्टम रिपोर्ट व वीडियोग्राफी की मांग

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

संजय पार्क में 15 हिरणों की मौत के मामले में जांच तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित 6 सदस्यीय जांच दल ने सोमवार को संजय पार्क का दौरा कर घटनास्थल का निरीक्षण किया और सरगुजा रेंज के डीएफओ से मुलाकात कर कई बिंदुओं पर जानकारी ली। जांच दल का नेतृत्व पूर्व मंत्री अमरजीत भगत कर रहे हैं। टीम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व श्रम कल्याण बोर्ड अध्यक्ष शफी अहमद, प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्र, जिला महामंत्री हेमंत तिवारी और अनूप मेहता शामिल हैं। दल ने हिरणों के बाड़े,मृत वन्यजीवों को रखने के स्थान, पोस्टमार्टम स्थल और दाह संस्कार स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही पार्क की देखरेख करने वाली समिति के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की। जांच दल ने डीएफओ से पार्क की देखरेख कर रही समिति की वैधानिकता और वन विभाग की जिम्मेदारियों को लेकर सवाल किए। साथ ही मृत हिरणों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूरी घटना की वीडियोग्राफी की मांग की गई।

कुत्तों के प्रवेश पर उठे सवाल : मीडिया से चर्चा में अमरजीत भगत ने कहा कि जिस स्थान से कुत्तों के बाड़े में घुसने की बात कही जा रही है, वह प्रथम दृष्टया संदिग्ध लगता है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्क की देखरेख करने वाली समिति को लेकर कई विवाद सामने आ रहे हैं।

जांच दल ने कहा कि रिपोर्ट जल्द ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपी जाएगी और इसके बाद पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

5 साल से बिना अनुमति चल रहा था संजय पार्क? हिरणों की मौत पर उठे तीखे सवाल

2023 में 50 हिरण गायब हुए,तब कोई क्यों नहीं बोला : सत्यम द्विवेदी

रात 3 बजे घटना सूचना 6:30 बजे... जिम्मेदार कौन?

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

संजय पार्क में हुई घटना को लेकर अब सवालों की बौछार शुरू हो गई है। स्नैकमेन सत्यम द्विवेदी ने पूरे मामले पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह हादसा नहीं बल्कि वर्षों की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि लगभग 25 वर्षों से बिना Central Zoo Authority (CZA) की अनुमति के पार्क का संचालन होता रहा,लेकिन आज तक किसी ने इस पर सवाल उठाना जरूरी नहीं समझा। 'अगर नियमों का पालन होता, तो शायद आज यह स्थिति नहीं बनती,' उन्होंने कहा। द्विवेदी ने वर्ष 2023 में 50 से अधिक हिरणों के गायब होने के मामले को उठाते हुए कहा कि उस समय भी मामले को दबा दिया गया और किसी जिम्मेदार पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वन्य प्राणियों का इलाज विशेषज्ञों के बजाय सामान्य पशु चिकित्सकों से कराया जाता रहा, जो गंभीर लापरवाही है।

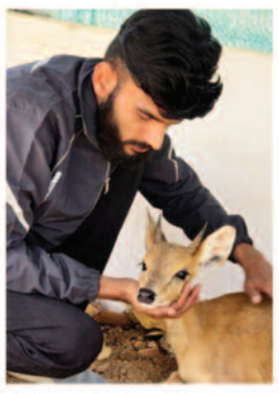

सुरक्षा पर भी सवाल : उन्होंने पूछा कि आखिर पार्क की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? **'अगर समिति चौकीदारी कर रही थी तो वन विभाग क्या कर रहा था? '**

घटना के दिन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि रात 3 बजे कुत्तों द्वारा हिरणों पर हमला हुआ, लेकिन इसकी सूचना सुबह 6:30 बजे दी गई, जो सीधे तौर पर लापरवाही को दर्शाता है।

अभद्रता और अंदरूनी विवाद भी सामने आए : द्विवेदी ने बताया कि सह प्रभारी ममता पोर्टे के साथ समिति के उपाध्यक्ष के पति द्वारा सार्वजनिक रूप से गाली-गलौज की गई, जिसकी शिकायत भी की गई है। उन्होंने इसे बेहद गंभीर मामला बताते हुए कार्रवाई की मांग की।

ऑडिट आदेश के बाद घटना पर उठे सवाल

उन्होंने यह भी कहा कि जब डीएफओ द्वारा समिति के अध्यक्ष का पुनः चुनाव और आय-व्यय के ऑडिट के निर्देश दिए गए, तो उसके अगले ही दिन ऐसी घटना होना कई संदेह पैदा करता है।

3 साल से अधूरी 'नल-जल योजना': सरगावां के सूखे नल, प्यासे ग्रामीण

-सुदामा राजवाडे -

बलरामपुर,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल जल योजना का जमीनी सच बलरामपुर जनपद के ग्राम पंचायत सरगावां में बेहद चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहा है। हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का वादा यहां पिछले तीन वर्षों से अधूरा पड़ा है और योजना पूरी तरह ठप हो चुकी है। गांव में न तो पाइपलाइन का अधूरा कार्य पूरा किया जा रहा है और न ही पानी टंकी का निर्माण आगे बढ़ाया गया है। हालात यह हैं कि घर-घर लगाए गए नल अब शोपीस बनकर रह गए हैं–सूखे, बेकार और ग्रामीणों की मजबूरी का प्रतीक। ग्रामीण बताते हैं कि वर्ष 2023 में बड़े उत्साह के साथ योजना की शुरुआत हुई थी, लेकिन कुछ ही समय बाद काम रुक गया। कई घरों में पाइपलाइन आधी-अधूरी बिछाई गई, जबकि बड़ी संख्या में परिवार आज भी इस सुविधा से पूरी तरह वंचित हैं।

पानी के लिए लोगों को दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें रोजाना पानी ढोने की मशक्कत करनी पड़ती है। दो साल से काम बंद होने के बावजूद जिम्मेदार विभाग की निष्क्रियता ने ग्रामीणों के आक्रोश को और बढ़ा दिया है। लोगों का कहना है कि जब योजना का लाभ ही नहीं मिल रहा, तो ऐसी योजनाएं केवल कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं।

इस मामले में पीएचई विभाग की सहायक अभियंता सुनील उरांव ने बताया कि पूर्व ठेकेदार द्वारा काम अधूरा छोड़ दिया गया था। अब नए ठेकेदार को जिम्मेदारी सौंपी गई है और जल्द ही निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर उसे पूरा किया जाएगा।

अब सवाल यह उठता है कि क्या 'हर घर नल जल' योजना सरगावां में सिर्फ घोषणा बनकर रह जाएगी, या फिर प्रशासन समय रहते जागेगा और प्यासे ग्रामीणों को राहत मिलेगी?

मवेशी तस्करी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़,4 आरोपी गिरफ्तार

दो पिकअप व एक कार जब्त,14 भैंस बरामद

-संवाददाता-

बलरामपुर,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिले के रघुनाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलंगी चौकी इलाके में पुलिस ने मवेशी तस्करी के एक बड़े संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो पिकअप वाहन,एक ग्रैंड विटारा कार तथा 14 नग भैंस/भैंसी बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि बलंगी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध मवेशी तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर एसडीओपी वाड्रफनगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 28-29 मार्च की मध्यरात्रि चौकी बलंगी में घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। इस दौरान तेज गति से आ रहे संदिग्ध वाहनों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरियर लगाकर घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान दो पिकअप वाहनों को पकड़ लिया गया,जबकि उनके चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। तलाशी लेने पर दोनों वाहनों में 7-7 नग भैंस लदी मिली। इसी दौरान एक संदिग्ध ग्रैंड विटारा कार (सीजी 30 जी-5161) को भी मौके से जब्त कर उसके चालक जितेंद्र कुमार जायसवाल निवासी केसारी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने मानिकचंद सोनवानी, दीपक सोनवानी एवं अन्य साथियों के साथ मिलकर मवेशी तस्करी करने की बात स्वीकार की। जांच में यह भी सामने आया कि तस्करी से प्राप्त राशि आरोपी मानिकचंद सोनवानी की पत्नी देवमती सोनवानी के बैंक खाते में जमा की जाती थी।

लुण्ड्रा में विकास को नई गति : विधायक प्रबोध मिंज ने 2.84 करोड़ से अधिक के कार्यों का किया भूमि पूजन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

क्षेत्रीय विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने ग्राम पंचायत चठीरमा के अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया,इस अवसर पर कुल 2 करोड़ 84 लाख 72 हजार रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों की शुरुआत की गई, जिससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

खेल मैदान में मंच एवं शेड निर्माण से बढ़ेंगी सामाजिक गतिविधियां-कार्यक्रम का आयोजन ग्राम बढ़नी झरिया स्थित खेल मैदान में किया गया, जहां 2 लाख रुपये की लागत से मंच एवं शेड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया, इस निर्माण से गांव में आयोजित होने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक और खेलकूद कार्यक्रमों को बेहतर मंच मिलेगा, साथ ही युवाओं और ग्रामीणों को एक स्थायी स्थान उपलब्ध होगा।

2.84 करोड़ की सड़क परियोजना: गांव से शहर तक मजबूत कनेक्टिविटी-कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री अग्रसेन गौशाला रोड चठीरमा से मेंडराखुर्द तक सड़क निर्माण का भूमि पूजन रहा, जिसकी लागत 284.72 लाख रुपये है, यह सड़क गांव को मुख्य मार्गों और शहर से जोड़ेगी,आवागमन को सुगम बनाएगी, बरसात के समय होने वाली समस्याओं को कम करेगी,शिक्षा,स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को गति देगी स्थानीय लोगों के अनुसार,यह सड़क लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख मांगों में शामिल थी।

विधायक का संदेश : सड़क विकास की रीढ़ - विधायक प्रबोध मिंज ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं,बल्कि विकास की रीढ़ होती है, उन्होंने कहा बेहतर सड़क से मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी,छात्रों को स्कूल और कॉलेज तक पहुंचने में सुविधा होगी,किसानों और व्यापारियों को बाजार तक पहुंच आसान होगी, रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर पैदा होंगे,उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

जनसंवाद और त्वरित समाधान की पहल- भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद विधायक ने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया,उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फोन के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए,इस पहल से ग्रामीणों में भरोसा और संतोष का माहौल देखने को मिला।

भव्य स्वागत,बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद-कार्यक्रम में विधायक का लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों एवं ग्रामीणों द्वारा माल्यार्पण और पुष्पगुच्छ से भव्य स्वागत किया गया,इस अवसर पर प्रमुख रूप से भरत सिंह सिसोदिया (भाजपा जिला अध्यक्ष), दिव्या सिंह सिसोदिया (जिला पंचायत सदस्य), विनोद हर्ष, अरुणा सिंह (जिला महामंत्री),विजय व्यापारी (जनपद सभापति),संतोष जायसवाल (मंडल अध्यक्ष),रवि उरांव (पार्षद),अमृत लाल यादव (युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष), सरिता मिश्रा (महिला मोर्चा महामंत्री),सोनिया पंडो (सरपंच,चठीरमा),हीरामणि सोनपाकार (सरपंच, मेंडराखुर्द) प्रीति सिंह (सरपंच, डिगमा) सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

कागज में खाली,जमीन पर कब्जा

सूरजपुर रजिस्ट्री कांड में पिता की जमीन 'अपने ही' ले उड़े!

- रजिस्ट्री में खाली जमीन,हकीकत में दुकान...सूरजपुर में बड़ा खेल उजागर
- पिता की जमीन पर 'अपनों' का कब्जाः बेटी,पार्षद और माफिया पर गंभीर आरोप
- पिता की जमीन का खेल : कागज में खाली, हकीकत में करोड़ों का निर्माण!
- सूरजपुर रजिस्ट्री कांड : नशे का वीडियो, गायब भुगतान और मिलीभगत का शक
- जमीन अपने नाम,पैसा गायब... और सिस्टम अब भी मौन!
- रजिस्ट्री आसान,न्याय मुश्किलः सूरजपुर बना उदाहरण
- नशे में सहमति,कागज़ में सच्चाई...और सिस्टम कहे–सब ठीक है!
- पावर ऑफ अटॉर्नी,नशे वाला वीडियो, गायब भुगतान और मिलीभगत के आरोप...बेटी,पार्षद,दस्तावेज लेखक और कथित माफिया पर उठे गंभीर सवाल

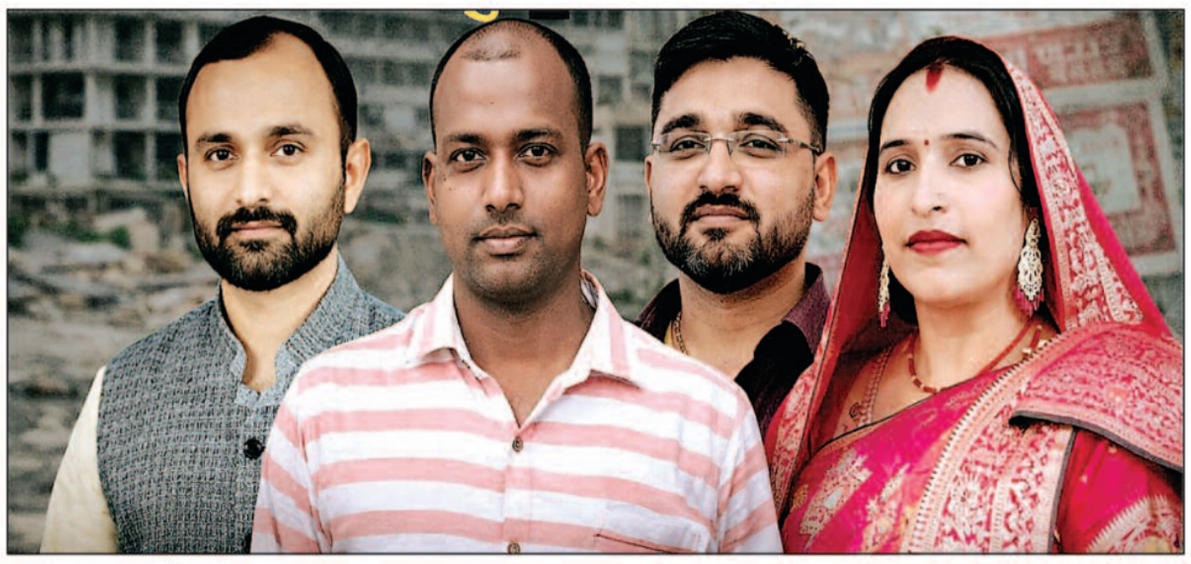

-शमरोज खान-

कोरिया,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर में सामने आया जमीन विवाद अब एक साधारण पारिवारिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे रजिस्ट्री सिस्टम,प्रशासनिक प्रक्रिया और स्थानीय स्तर पर संभावित मिलीभगत का बड़ा उदाहरण बनता जा रहा है,यहां कागज़ कुछ और कह रहा है और जमीन कुछ और,रजिस्ट्री दस्तावेजों में जिस जमीन को खाली बताया गया,उसी जमीन पर करोड़ों का निर्माण–दुकान और मकान–खड़ा होने की बात सामने आ रही है,यह मामला अब केवल जमीन के हस्तांतरण का नहीं, बल्कि सिस्टम की विश्वसनीयता,प्रशासनिक जिम्मेदारी और न्याय प्रक्रिया की धीमी गति पर भी सवाल खड़ा कर रहा है।

सबसे बड़ा सवालः जिम्मेदारी किसकी?

क्या रजिस्ट्री से पहले सत्यापन नहीं हुआ?

क्या दस्तावेजों में गलत जानकारी दी गई?

क्या भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही?

और क्या इसमें शामिल सभी पक्षों की भूमिका की जांच होगी?

अंतिम कटाक्ष

रजिस्ट्री में जमीन खाली थी... जमीन पर दुकान खड़ी थी... पैसा कहीं नजर नहीं आया... और सिस्टम अब भी कह रहा है–'प्रक्रिया पूरी है!'

डिस्क्लेमर

इस समाचार में उल्लेखित सभी आरोप पीड़ित पक्ष (पिता) द्वारा लगाए गए हैं,संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है,उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा,समाचार का उद्देश्य केवल उपलब्ध तथ्यों एवं आरोपों को प्रस्तुत करना है।

पुलिस और प्रशासन की भूमिका : कार्रवाई या इंतजार

पीड़ित पक्ष द्वारा शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है, यह स्थिति कई सवाल खड़े करती है क्या जांच चल रही है? क्या सबूतों की पुष्टि हो रही है? या मामला अभी भी शुरुआती स्तर पर है? जब शिकायत हो जाए और कार्रवाई न दिखे,तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

कागज़ में खाली,जमीन पर निर्माण : सच कौन सा?

पूरे विवाद की शुरुआत यहीं से होती है,आरोप है कि जिस जमीन की रजिस्ट्री की गई, उसे दस्तावेजों में खाली भूमि दिखाया गया,जबकि वास्तविकता में उस पर पहले से निर्माण मौजूद था और वह मुख्य सड़क से जुड़ी महत्वपूर्ण भूमि थी,यदि यह तथ्य सही है,तो यह केवल एक तकनीकी गलती नहीं मानी जा सकती। यह या तो गंभीर लापरवाही है या फिर जानबूझकर की गई अनदेखी। क्योंकि जमीन का मूल्य उसकी स्थिति और निर्माण से तय होता है,निर्माण छुपाकर रजिस्ट्री करना सीधे-सीधे राजस्व हानि और मूल मालिक के साथ आर्थिक अन्याय की श्रेणी में आता है।

नया खुलासाः बेटी,पार्षद और माफिया का कथित गठजोड़

नए अपडेट में सामने आया है कि इस पूरे मामले में पिता की जमीन उनकी ही बेटी ने कथित रूप से पार्षद,दस्तावेज लेखक और भूमाफिया के साथ मिलकर अपने नाम करा ली,सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पार्षद उसी वार्ड का,दस्तावेज लेखक भी उसी वार्ड का,कथित माफिया भी उसी वार्ड का यानी सभी पक्ष एक ही भौगोलिक दायरे से जुड़े हुए हैं,आरोप यह भी है कि जमीन केवल बेटी के नाम नहीं गई,बल्कि बाद में पार्षद और कथित माफिया ने भी उसमें से हिस्सा खरीद लिया, यह स्थिति पूरे मामले को और संदिग्ध बनाती है,क्योंकि इससे संभावित पूर्व-नियोजित रणनीति की आशंका मजबूत होती है।

स्थल परीक्षण पर सवालः किसने देखा जमीन?

रजिस्ट्री प्रक्रिया में जमीन का स्थल परीक्षण एक महत्वपूर्ण चरण होता है, लेकिन इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या जमीन का वास्तविक निरीक्षण किया गया था? यदि किया गया था,तो निर्माण नजर क्यों नहीं आया? और यदि नहीं किया गया,तो जिम्मेदार कौन है? जिस जमीन पर दुकान और मकान खड़े हों,उसे खाली बताना केवल गलती नहीं,बल्कि गंभीर प्रशासनिक चूक मानी जाएगी।

दस्तावेज लेखक की भूमिका : जानकारी थी या अनदेखी?

इस पूरे मामले में दस्तावेज लेखक की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि वह उसी क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है,जहां जमीन स्थित है, ऐसी स्थिति में यह मानना कठिन है कि उसे जमीन की वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं रही होगी,अब सवाल उठता है क्या उसने जानबूझकर तथ्य छुपाए? या फिर प्रक्रिया को औपचारिकता मानकर आगे बढ़ा दिया गया?

नशे में वीडियो : सहमति या षड्यंत्र?

मामले का सबसे संवेदनशील और गंभीर पहलू एक वीडियो है,जिसमें पिता को जमीन देने की सहमति देते हुए दिखाया गया है,लेकिन पीड़ित का आरोप है कि यह वीडियो नशे की हालत में बनवाया गया,अब यहां एक बड़ा कानूनी और नैतिक सवाल खड़ा होता है क्या नशे में दिया गया बयान वैध सहमति माना जा सकता है? और उससे भी बड़ा सवाल क्या यह वीडियो पहले से किसी संभावित विवाद को ध्यान में रखकर बनाया गया था? यदि ऐसा है, तो यह केवल सहमति नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित षड्यंत्र का संकेत हो सकता है।

भुगतान का रहस्यः जमीन गई, पैसा कहां?

जमीन के किसी भी सौदे में भुगतान सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, लेकिन इस मामले में पीड़ित का कहना है कि उन्हें कोई भुगतान प्राप्त नहीं हुआ, यदि यह दावा सही है,तो यह मामला और गंभीर हो जाता है,क्योंकि बिना भुगतान के रजिस्ट्री होना या उसका रिकॉर्ड न होना सीधे-सीधे प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है,यह स्थिति उस कहावत को सच करती दिखती है जमीन गई...लेकिन पैसा कहीं नजर नहीं आया।

पारिवारिक विवाद से सिस्टम केस तक

शुरुआत में यह मामला केवल परिवार के भीतर विवाद जैसा दिख रहा था, लेकिन अब इसमें कई परतें जुड़ चुकी हैं दस्तावेजी प्रक्रिया, प्रशासनिक भूमिका,आर्थिक लेन-देन और कथित मिलीभगत इन सभी पहलुओं ने इसे एक जटिल और गंभीर मामला बना दिया है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

कागज़ बनाम हकीकत की लड़ाई

सूरजपुर का यह मामला एक बड़े प्रश्न के साथ खड़ा है क्या कागज़ पर लिखा सच ही अंतिम सच है? या जमीन की वास्तविक स्थिति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है? यह मामला केवल एक व्यक्ति या परिवार का नहीं,बल्कि पूरे सिस्टम की परीक्षा है, क्योंकि यहां कागज़ कह रहा है सब सही है... और जमीन कह रही है सच कुछ और है।

बसंत अग्रवाल सिर्फ अपने चहेतों को मिलाते है बागेश्वर बाबा से...इस बात पर कटघोरा में हो गया हंगामा

-संवाददाता-
कोरबा,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

बागेश्वर धाम वाले कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा के आयोजन से पहले ही विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। कोरबा जिले के ग्राम ढप-ढप में आयोजित होने वाली कथा के लिए महाराज का आगमन रविवार रात्रि लगभग 8:30 बजे हुआ, जिसके बाद उनके रुकने के स्थान अग्रसेन भवन में जमकर हंगामा हुआ।

जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम का आयोजन 'अपना घर सेवा परिवार' के अमरजीत सिंह (पार्षद) और उनकी समिति द्वारा किया जा रहा है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब महाराज से मुलाकात और बैठने की व्यवस्था को लेकर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के पीएसओ, बसंत अग्रवाल और आयोजन समिति के बीच बातचीत चल रही थी। विवाद का कारण बसंत अग्रवाल द्वारा लगातार अपने खास मेहमानों को प्राथमिकता देना बताया जा रहा है। इसी बात को लेकर आयोजक अमरजीत सिंह और बसंत अग्रवाल के बीच तीखी बहस हो गई। देखते ही देखते शब्दों की मर्यादा टूटी और दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट की नौबत आ गई। अग्रसेन भवन के भीतर मचे इस हंगामे से वहां मौजूद श्रद्धालु और भक्त भी अचंभित रह गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वहां मौजूद पुलिस प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत दखल दिया। काफी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को शांत कराकर उनके बीच समझौता कराया गया। स्थिति सामान्य होने के बाद रात्रि लगभग 11 बजे महाराज ने भक्तों से मुलाकात की और उन्हें आशीर्वाद दिया।

नाम परिवर्तन

मैं समृद्धि शर्मा पिता संजय दुबे, उम्र-18 वर्ष, जाति-ब्राह्मण निवासी ग्राम-कृष्णपुर, थाना-सूरजपुर, तहसील- रामानुजननगर, जिला- सूरजपुर,छ0ग0।
यह कि मेरा सही व वास्तविक नाम - समृद्धि शर्मा है । किन्तु मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटि वश- समृद्धा शर्मा अंकित है । जो गलत है।
जो कि कि मेरा सही व वास्तविक नाम- समृद्धि शर्मा होने के समर्थन में यह स्वयं की पथ पत्र निष्पादित कर किया है। अतः आज से मेरा नाम समृद्धि शर्मा के नाम से जाना,पहचाना, एवं लिखा जाये।

दिनांक 30/03/2026

शपथकर्ता
समृद्धि शर्मा

नाम परिवर्तन

मैं सम्मी कुमार पण्डो आ. श्री विजय कुमार पण्डो, उम्र लगभग 25 वर्ष, जाति पण्डो, निवासी ग्राम/पोस्ट बड़सरा, थाना व तहसील भैयाथान, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) । यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ। मेरा सही एवं वास्तविक नाम सम्मी कुमार पण्डो SAMMI KUMAR PANDO है जो कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेजों में अंकित है जो कि सत्य एवं सही है।
मेरे आधार कार्ड क्रमांक 79369047 2499 में मेरा नाम सम्मी कुमार SAMMI KUMAR अंकित हो गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है। मेरे आधार कार्ड में अंकित मेरे अधूरे एवं गलत नाम को सुधारकर उसके स्थान पर मेरा सही एवं वास्तविक नाम सम्मी कुमार पण्डो SAMMI KUMAR PANDO अंकित किये जाने हेतु शासकीय गजट में प्रकाशित करवाने हेतु मेरा स्वयं का शपथपत्र प्रस्तुत है जो कि सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
सम्मी कुमार पण्डो

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0/...../अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि 24/04/2026
इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक ओकार नाथ पाण्डेय आ0 शिवप्रसाद पाण्डेय, उम्र लगभग 52 वर्ष, श्रीमति श्वेता पाण्डेय पति श्री ओंकार नाथ पाण्डेय उम्र लगभग 45 वर्ष निवासी नगर सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1918/1,1918/8,1915/5,1914/2ख,1908/5, 1918/10, 1915/4, 1918/11 रकबा क्रमशः1600, 3564, 1500, 1307, 900, 800, 714, 1600 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।
अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 24/04/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।
आज दिनांक 21/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
नजूल अधिका
सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/...../अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बीरेन्द्रनाथ पाण्डेय आ0 स्व0 विद्याधर पाण्डेय, निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला रामानुजगंज रोड़, शीट नंबर- 03 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 1794/3, 1796/1 रकबा 0.054, 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/...../अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बीरेन्द्रनाथ पाण्डेय आ0 स्व0 विद्याधर पाण्डेय, निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला रामानुजगंज रोड़, शीट नंबर- 03 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 1794/3, 1796/1 रकबा 0.054, 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202603020700090

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2025-26

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [2202/4(0.02000)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार नवीन केशरी,
अनावेदक पक्षकार -सुलोचना देवी,

ईश्तहार

आवेदक नवीन केशरी पिता रामनाथ केशरी,निवासी नगर पंचायत वाड्रनगर,जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2202/4 रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी सुलोचना का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06.04.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/03/2026 को जारी किया जाता है।

सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

CMYK

सूरजपुर में आयोजन,कोरिया में सवालः आखिर पैसा किस बात का ?

-रवि सिंह-
कोरिया,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति जहां एक ओर सामाजिक एकता और शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखी गई,वहीं दूसरी ओर कोरिया जिले में उसी कार्यक्रम को लेकर आर्थिक वसूली के आरोपों ने विवाद को जन्म दे दिया है, यह मामला अब समाज के भीतर खुली बहस और असंतोष का कारण बन गया है।

- सूरजपुर का कार्यक्रम,कोरिया में बवालः 'सहयोग राशि' पर समाज में संग्राम
- सरकारी मंच,समाज का फंड! कर्मा जयंती में 'सहयोग' या 'वसूली'?
- जयकारों के बीच जमा होती रही राशि? कर्मा जयंती पर उठे सवाल
- भक्ति के साथ बिल भी? कार्यक्रम के बाद 'सहयोग राशि' पर घमासान
- सरकारी प्रोटोकॉल में आयोजन, फिर भी वसूली? कोरिया में उठा विवाद
- कार्यक्रम बना सियासत का मुद्दा, कोरिया में समाज के भीतर टकराव

आस्था के मंच पर विवाद की परछाई

सूरजपुर का यह आयोजन जहां सामाजिक आस्था,एकता और राजनीतिक उपस्थिति का बड़ा मंच बना,वहीं कोरिया में उठे वसूली के आरोपों ने इसकी छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं,यदि समय रहते स्थिति स्पष्ट नहीं की गई, तो यह विवाद समाज के भीतर गहरी दरार का कारण बन सकता है।

डिस्क्लेमर

यह समाचार विभिन्न स्थानीय स्रोतों,सामाजिक चर्चाओं एवं वायरल व्हाट्सएप चैट में सामने आए दावों के आधार पर तैयार किया गया है,प्रस्तुत जानकारी में लगाए गए वसूली संबंधी आरोपों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, समाचार का उद्देश्य केवल तथ्यों एवं उठ रहे सवालों को प्रस्तुत करना है, संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रिया या स्पष्टीकरण प्राप्त होने पर समाचार को अद्यतन किया जाएगा।

व्हाट्सएप चैट वायरल,आरोपों को मिला आधार

विवाद तब और गहरा गया जब कोरिया जिले के सामाजिक व्हाट्सएप ग्रुप का कथित चैट वायरल हो गया, इस चैट में कार्यक्रम के नाम पर राशि एकत्र करने की चर्चा सामने आई,जिसके बाद समाज के भीतर ही विरोध के स्वर तेज हो गए,सूत्रों के अनुसार,कोरिया जिले से करीब 2 लाख रुपये से अधिक राशि जुटाए जाने की बात चर्चा में है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

समाज के भीतर पहले से मौजूद असंतोष

यह विवाद अचानक नहीं उभरा, बल्कि इसकी पृष्ठभूमि पहले से तैयार थी,कोरिया जिले में समाज के अध्यक्ष चुनाव को लेकर पहले ही मतभेद और विरोध की स्थिति बनी हुई है,नव-निर्वाचित अध्यक्ष को लेकर आपत्तियां, समाज के भीतर गुटबाजी,ऐसे में सूरजपुर कार्यक्रम से जुड़ा वसूली का मुद्दा इस असंतोष को और उभारने का कारण बन गया है।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर उठे सवाल

पूरा मामला अब कुछ अहम सवालों के इर्द-गिर्द घूम रहा है क्या वसूली स्वैच्छिक सहयोग था या अनिवार्य रूप से लिया गया? क्या आयोजन पूरी तरह शासकीय था या आंशिक रूप से सामाजिक सहयोग से संचालित? यदि सरकारी आयोजन था, तो आर्थिक संग्रहण की आवश्यकता क्यों पड़ी? इन सवालों पर अभी तक संबंधित पदाधिकारियों या आयोजकों की ओर से कोई स्पष्ट आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

प्रशासन और आयोजकों की चुप्पी

अब तक इस मामले में न तो प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया आई है और न ही समाज के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट की है, इस चुप्पी ने विवाद को और हवा देने का काम किया है।

बता दे सूरजपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय सामाजिक

धार्मिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी ने आयोजन को भव्य बना दिया,लेकिन कार्यक्रम के बाद कोरिया जिले में उठे 'सहयोग राशि' (वसूली) के आरोपों ने पूरे आयोजन को बहस के कटघरे में ला खड़ा किया है, आस्था के मंच पर जहां जयकारे गूंजे,वहीं पीछे से 'राशि जमा कर दीजिए' की आवाजें भी चर्चा में आ गईं।

भव्य आयोजन,मजबूत सरकारी उपस्थिति

सूरजपुर जिला मुख्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम समाज विशेष के आराध्य से जुड़ा धार्मिक आयोजन था,कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ कई मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि शामिल हुए,पूरे आयोजन में प्रशासनिक तैयारियां,सुरक्षा व्यवस्था और प्रोटोकॉल स्पष्ट रूप से शासकीय स्तर के अनुरूप नजर आए,संभाग के विभिन्न जिलों से समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए,जिससे आयोजन का व्यापक स्वरूप सामने आया।

आरोपों की शुरुआतः जब सरकारी आयोजन,तो फिर वसूली क्यों?

कार्यक्रम के बाद कोरिया जिले में समाज के कुछ लोगों द्वारा सवाल उठाए गए कि जब कार्यक्रम शासकीय प्रोटोकॉल के तहत आयोजित था मुख्यमंत्री,मंत्री और प्रशासन की सक्रिय भागीदारी थी तो समाज के लोगों से आर्थिक सहयोग (राशि) क्यों मांगी गई? यही सवाल अब विवाद का मुख्य केंद्र बन गया है।

वायरल चैटः श्रद्धा का स्क्रीनशॉट या वसूली का सबूत?

कोरिया जिले के एक सामाजिक व्हाट्सऐप समूह का कथित चैट सामने आने के बाद विवाद ने रफ्तार पकड़ ली,चैट में साफ तौर पर लिखा गया– जो सहयोग राशि इकट्ठा किए हैं,आज ही जमा करें ... अब यह लाइन ही पूरे विवाद की आत्मा बन गई है, क्योंकि सवाल सीधा है– सहयोग था या निर्देश ? सूत्र बताते हैं कि करीब 2 लाख रुपये से अधिक राशि कोरिया जिले से एकत्र होने की चर्चा है, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन चर्चा इतनी है कि अब यह मुद्दा चाय की टपरी से लेकर व्हाट्सएप स्टेटस तक पहुंच चुका है।

सूरजपुर में दो बड़े खुलासेः पत्नी की हत्या कर खुद रिपोर्ट लिखाने वाला पति गिरफ्तार,नकली सोना ठगी गैंग भी पकड़ा

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक ओर पत्नी की हत्या कर खुद को बचाने की कोशिश करने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार किया है,वहीं दूसरी ओर नकली सोना देकर लाखों की ठगी करने वाले गिरोह का भी पर्दाफाश किया है। दोनों मामलों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जांच ने सच्चाई सामने ला दी। सूरजपुर में सामने आए ये दोनों मामले यह दर्शाते हैं कि अपराधी चाहे कितना भी चालाकी से योजना बनाए,पुलिस की सघन जांच से बच पाना मुश्किल है। एक ओर घरेलू विवाद ने हत्या का रूप लिया,तो दूसरी ओर लालच का फायदा उठाकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया–लेकिन दोनों ही मामलों में कानून ने तेजी से शिकंजा कस दिया।

पत्नी की हत्या कर खुद पहुंचा पुलिस चौकी,जांच में खुला राज

चौकी सलका-उमेश्वरपुर क्षेत्र के ग्राम तारकेश्वरपुर निवासी अलमा प्रजापति ने 4 मार्च 2026 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी लीलावती की मौत अज्ञात कारणों से हो गई है, उसने बताया था कि वह 3 मार्च को बाहर गया हुआ था और लौटने पर पत्नी को जमीन पर पड़ा पाया,शुरुआती तौर पर मामला संदिग्ध मौत का लगा, लेकिन मर्ग जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामला हत्या का निकला। जांच में सामने आया कि आरोपी अलमा प्रजापति का अन्य महिलाओं से बातचीत को लेकर पत्नी से अक्सर विवाद होता था, जिसके चलते वह मारपीट भी करता था, पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि घटना की रात पत्नी द्वारा चरित्र पर संदेह जताने पर उसने गुस्से में आकर हाथ-पैर,प्लास्टिक पाइप और चाकू से हमला कर हत्या कर दी,बाद में खुद को बचाने के लिए उसने मनगढ़ंत कहानी बनाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू और पाइप बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है,आरोपी क्षेत्र का पुराना गुंडा बदमाश भी बताया जा रहा है।

नकली सोना दिखाकर 4.40 लाख की ठगी,4 आरोपी गिरफ्तार

दूसरे मामले में थाना चांदनी पुलिस ने नकली सोना देकर ठगी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्राम दर्रीपारा निवासी बालरूप गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने पहले असली सोने का सैंपल दिखाकर भरोसा जीता और बाद में पीतल को सोने जैसा बनाकर उसे बेच दिया,घटना के अनुसार, आरोपियों ने 11 मार्च 2026 को रेडीपहरी चौक ठाडपाथर में नकली सोना देकर प्रार्थी से कुल 4 लाख 40 हजार रुपये ठग लिए, पुलिस ने मामले की जांच कर अर्जुन देवांगन,मोहन उर्फ सोनू,राजेन्द्र यादव और किशोरी लाल यादव को गिरफ्तार किया, आरोपियों के पास से 1 लाख 24 हजार रुपये नगद भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ में सभी ने अपराध स्वीकार कर लिया है।

पुलिस की सख्ती से उजागर हुए दोनों मामले-

दोनों ही मामलों में डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में स्थानीय पुलिस टीमों ने सटीक जांच और तकनीकी आधार पर अपराधों का खुलासा किया।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरिया/पटना,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

थाना पटना क्षेत्रांतर्गत नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के एक गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है,आरोपी द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग तथा विद्यालय में नौकरी लगाने का झांसा देकर कई लोगों से लाखों रुपये ऐंठे गए।

आंगनबाड़ी सुपरवाइजर बनाने के नाम पर ठगी

प्रार्थिया आरती पटेल,निवासी ग्राम तेंदुआ, थाना पटना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि टेंगनी निवासी आरोपी संदीप सिंह सारथी ने दिसंबर 2024 में आंगनबाड़ी सुपरवाइजर पद पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया, आरोपी ने उससे अलग-अलग किश्तों में लगभग 2,40,000/- के साथ 44,000/- एवं 24,750/- की अतिरिक्त राशि ली, लेकिन नौकरी नहीं दिलाई और रकम हड़प ली।

शिक्षक भर्ती के नाम पर दो और पीड़ित

जांच में सामने आया कि आरोपी ने स्तुति पटेल और प्रियंका कुजूर को आत्मानंद विद्यालय में शिक्षक पद पर नौकरी दिलाने का लालच देकर दोनों से 1,80,000/-1,80,000/- की ठगी की। आरोपी ने किसी भी पीड़ित को नौकरी नहीं दिलाई।

अपराध दर्ज,विवेचना में हुआ खुलासा

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना पटना में अपराध क्रमांक 89/2026, धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई, जांच के दौरान आरोपी द्वारा ठगी की राशि से संपत्ति अर्जित करने के तथ्य सामने आए।

ठगी की रकम से खरीदी कार जब्त

विवेचना में पाया गया कि आरोपी ने ठगी की राशि से एक कार (क्रमांक सीजी 15 के 0226) खरीदी थी, जिसकी मासिक किस्त 24,700/- अदा की जा रही थी। पुलिस ने 27 मार्च 2026 को उक्त वाहन को आरोपी के कब्जे से जब्त कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद न्यायिक अभिरक्षा

पुलिस ने आरोपी को 27 मार्च 2026 को शाम 4:30 बजे गिरफ्तार किया और नियमानुसार उसकी पत्नी बसंती को सूचना दी,आरोपी को न्यायालय बैकुंठपुर में प्रस्तुत किया गया,जहां से न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के आदेश पर उसे जिला जेल बैकुंठपुर भेज दिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्रवाई

पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रवि कुर्रे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. सुरेशा चौबे तथा एसडीओपी राजेश साहू के निर्देशन में की गई, थाना प्रभारी उपनिरीक्षक प्रमोद पांडे एवं प्रधान आरक्षक सत्येंद्र तिवारी की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस की अपील

थाना पटना पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी अज्ञात व्यक्ति को धनराशि न दें,किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

भ्रामक खबरों पर सख्तीः बलरामपुर में मीडिया मॉनिटरिंग दल का गठन

-संवाददाता-
बलरामपुर,30 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

पश्चिम एशिया में उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों के बीच आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों और भ्रामक खबरों पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देश पर जिले में मीडिया मॉनिटरिंग दल का गठन किया गया है। यह दल प्रिंट,इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सहित सभी माध्यमों की लगातार निगरानी करेगा। विशेष रूप से एलपीजी,पेट्रोल,डीजल,उर्वरक और अन्य जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता से जुड़ी भ्रामक सूचनाओं पर नजर रखते हुए आम नागरिकों तक सही और प्रमाणिक जानकारी पहुंचाई जाएगी। मॉनिटरिंग दल के नोडल अधिकारी के रूप में अपर कलेक्टर चेतन बोरघरिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, जिला जनसंपर्क अधिकारी देविका मरावी को भी इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की भ्रामक या अपुष्ट जानकारी सामने आने पर तत्काल उसकी तथ्य जांच कर सही जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी, ताकि अफवाहों पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सके और जिले में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी

CMYK

29 साल से रिलीज के लिए तरसती रही सलमान खान की बड़ी फिल्म

सुपरस्टार सलमान खान की एक चर्चित फिल्म ऐसी थी, जो 29 साल से सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तरसती रही

हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार सलमान खान बॉलीवुड में जल्द ही चार दशक का सफर पूरा कर लेंगे। 60 वर्षीय सलमान ने अपने एक्टिंग करियर में शुरुआत से लेकर अब तक कई सफल मूवीज के जरिए फैंस का भरपूर मनोरंजन किया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सलमान की एक मूवी भी ऐसी भी है, जो पिछले 29 साल से सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तरस रही है।

उस एक्शन थ्रिलर का एलान मेकर्स बड़े पैमाने पर किया था। इतना ही नहीं मूवी के पोस्टर्स और गाने भी रिलीज हो गए थे। बाद में भाईजान की वह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई। आइए जानते हैं कि वह फिल्म कौन सी थी।

नहीं रिलीज हुई सलमान खान की ये मूवी

सलमान खान की जिस फिल्म के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उसका नाम दस (1997) था। जिसके डायरेक्टर मुकुल आनंद थे। इस मूवी में सलमान के साथ सेकेंड लीड रोल में अभिनेता संजय दत्त भी मौजूद थे। फिल्म के पोस्टर्स में इन दोनों सुपरस्टार को एक साथ देखा गया था। साथ ही इसका एक गाना सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी भी रिलीज कर दिया गया था। फिल्म लगभग 80 प्रतिशत बनकर तैयार गई थी और 1998 में इसको बड़े पर्दे पर रिलीज करने का फैसला भी लिया गया था। लेकिन दस के फाइनल शेड्यूल की शूटिंग खत्म होने से पहले ही मूवी के डायरेक्टर मुकुल आनंद का निधन हो गया। बताया जाता है कि वह अमेरिका में दस की शूट कर रहे थे और अचानक से उनको दिल का दौड़ा पड़ा और 45 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बाद फिर दस पूरी नहीं हो पाई और सलमान खान-संजय दत्त की एक्शन थ्रिलर बंद हो गई।

इस मूवी में नजर आएंगे सलमान

गौर किया जाए सलमान खान की आने वाली फिल्म की तरफ तो उसका नाम मातृभूमि (बैटल ऑफ गलवान) है, जिसका डायरेक्शन अपूर्वा लखिया ने किया है। 17 अप्रैल 2026 मातृभूमि की रिलीज डेट है, लेकिन माना जा रहा है कि मेकर्स इसकी रिलीज को आगे बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा साउथ डायरेक्टर वामसी के साथ सलमान की नई फिल्म का एलान भी हो गया है।

राहुल बनर्जी के निधन से टूटीं पत्नी प्रियंका सरकार

फैंस से की खास अपील,इमोशनल पोस्ट वायरल

राहुल बनर्जी के अचानक निधन से उनकी पत्नी प्रियंका सरकार सदमे में है। इसी बीच, उन्होंने पोस्ट शेयर कर सभी से प्राइवेसी बनाए रखने की अपील की है।

राहुल अरुणोदय बनर्जी की अचानक मौत से उनका परिवार और दोस्त सदमे में है। रविवार शाम को बंगाली एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की अचानक मौत की खबर से पूरी इंडस्ट्री को गहरा सदमा लगा है। एक्टर की मौत ओडिशा के तालसारी बीच पर समुद्र में डूबने से हुई। उनकी पत्नी बंगाली एक्ट्रेस प्रियंका सरकार ने अब इस दुखद खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट पोस्ट में गहरे दुख की इस घड़ी में प्राइवेसी बनाए रखने की गुजारिश की है।

राहुल बनर्जी की मौत पर छलका पत्नी का दर्द

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रियंका ने कहा, यह हमारे लिए गहरे दुख और निराशा का समय है। इस मुश्किल घड़ी में हम आपसे पूरी विनम्रता के साथ गुजारिश करते हैं कि हमें कुछ स्पेस और प्राइवेसी दें। इस दुख को मिलकर सहने की कोशिश में एक बच्चा, एक मां, एक परिवार और उनके अपने लोग शामिल हैं। हम मीडिया में अपने दोस्तों और साथियों से गुजारिश करते हैं कि वे हमारी सीमाओं का सम्मान करें, हमारी निजी जिंदगी में दखल न दें और हमें शांति से अपना दुख मनाने का मौका दें। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा,इस मुश्किल समय में आपकी समझ और आपका साथ मेरे लिए पहले से कहीं ज्यादा मायने रखता है।

राहुल बनर्जी की मौत कैसे हुई

न्यूज एजेंसी से मिली जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पड़ोसी राज्य ओडिशा के एक समुद्री बीच से लाए जाने के बाद दीघा अस्पताल में एक्टर को मृत घोषित कर दिया गया।

उन्होंने कहा, हमने घटनाक्रम का पता लगाने के लिए ओडिशा में अपने समकक्षों से संपर्क किया है। दीघा पुलिस स्टेशन में भी अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। हम उनकी प्रोडक्शन टीम के सदस्यों और चश्मदीदों से भी बात कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस खबर पर गहरा दुख और हैरानी जाहिर करते हुए, पोस्ट में लिखा, मुझे यह सुनकर गहरा सदमा लगा है और मैं बहुत दुखी हूं कि जाने-माने, युवा और लोकप्रिय एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी अचानक हमारे बीच नहीं रहे। मुझे समझ नहीं आ रहा कि आखिर हुआ क्या। वह मेरे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक थे और एक ऐसे इंसान थे, जिनकी मैं सचमुच तारीफ करती थी। मैं उनके शोकाकुल परिवार, प्रियजनों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं।%

राहुल बनर्जी कौन हैं?

राहुल को 2008 की ब्लॉकबस्टर रोमांटिक फिल्म चिरोदिनी तुमी जे आमार से शोहरत मिली। राज चक्रवर्ती द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उन्होंने प्रियंका सरकार के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म की सफलता के बाद दोनों रातों-रात स्टार बन गए और उसी दौरान उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना भी शुरू किया। बाद में उन्होंने 2010 में शादी कर ली और उनका एक बेटा हुआ, जिसका नाम सहज बनर्जी है। वे 2017 में अलग हो गए थे, लेकिन परिवार से जुड़े रहे।

प्रकाश राज पर टूटा दुःखों का पहाड़

मां के निधन से बिखरे एक्टर, पवन कल्याण ने जताया दुःख

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज की मां सुवर्णलता का रविवार सुबह बेंगलुरु स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। वह 86 साल की थीं। उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम को ही संपन्न किया गया। सुवर्णलता का जाना न केवल प्रकाश राज के परिवार के लिए,बल्कि उनके प्रशंसकों के लिए भी एक काफी दुखद क्षण है। इंडस्ट्री से लोग प्रकाश राज के साथ खड़ें हैं और उन्हें सांतवना दे रहे हैं। एक मां का संघर्ष और प्रकाश राज की प्रेरणा सुवर्णलता जी प्रकाश राज के जीवन का सबसे मजबूत स्तंभ थीं। अभिनेता ने अपने कई साक्षात्कारों में इस बात का जिक्र किया है कि उनका बचपन काफी संघर्षपूर्ण रहा था। उनके पिता के शराब की लत में डूबे होने के कारण घर की पूरी जिम्मेदारी उनकी माता के कंधों पर आ गई थी। उन्होंने अकेले दम पर न केवल घर चलाया, बल्कि अपने बच्चों को वह संस्कार और मजबूती दी, जिसने प्रकाश राज को आज इस मुकाम तक पहुँचाया है। एक अकेले वित्तीय और भावनात्मक लंगर के रूप में सुवर्णलता जी की शक्ति ने प्रकाश राज के व्यक्तित्व और उनके अभिनय कौशल पर अमिट छाप छोड़ी है। वे अक्सर अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां के उसी अटूट धैर्य और साहस को देते रहे हैं।

चिरंजीवी की फिल्म में कोना वेंकट को लेकर फैंस में चिंता

चिरंजीवी की आने वाली फिल्म में कोना वेंकट के शामिल होने को लेकर मेगा फैंस की चिंता बढ़ती जा रही है, जिसे बॉबी कोली डायरेक्ट करने वाले हैं। यह चिंता काफी हद तक कोना वेंकट की फिल्म बैंड मेलम के खराब परफॉर्मेंस से है। ज़ोरदार प्रमोशन और इसे एक बड़ी सफलता के तौर पर पेश करने की कोशिशों के बावजूद,फिल्म क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों को इम्प्रेस करने में नाकाम रही, और आखिर में बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप हो गई।

हालांकि कोना वेंकट फिल्म के राइटर नहीं थे, लेकिन इसके प्रमोशन में उनके एक्टिव रोल और उनके हालिया ट्रैक रिकॉर्ड ने फैंस के बीच शक पैदा कर दिया है। इस चर्चा को और तेज़ करने वाली बात यह है कि प्रमोशन के दौरान कोना वेंकट ने खुद कहा कि वह बॉबी के साथ चिरंजीवी की अगली फिल्म की स्क्रिप्ट पर पहले से ही काम कर रहे हैं। इस खुलासे ने फैंस को प्रोजेक्ट को लेकर और ज़्यादा सावधान कर दिया है। हालांकि बॉबी ने पहले वाल्टेयर वीरैया के ज़रिए चिरंजीवी के साथ एक कमर्शियल हिट दी थी, लेकिन नया प्रोजेक्ट अभी कई मुश्किलों का सामना कर रहा है। खबर है कि प्रोडक्शंस से जुड़े फाइनेंशियल इश्यू की वजह से फिल्म प्री-प्रोडक्शन स्टेज में अटकी हुई है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन हाउस विजय की जन नायकन और यश की टॉक्सिक जैसे चल रहे कमिटमेंट्स को पूरा कर रहा है, जिससे देरी और बढ़ रही है।

खेल समाचार

वैभव सूर्यवंशी को दूसरे देश की टीम ने दिया डेब्यू का ऑफर

आईपीएल के बीच कहा...भारत नहीं चुनता तो यहां से खेलो...

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। आईपीएल 2026 के बीच सभी नजरें वैभव सूर्यवंशी के ऊपर हैं। इसी बीच एक दूसरे देश की टीम ने वैभव को अपने देश से डेब्यू करने का ऑफर दिया।

बिहार के समस्तीपुर से निकले क्रिकेट के शहजादे वैभव सूर्यवंशी इन दिनों पूरी दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की जुबान पर हैं। हाल ही में अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी तूफानी पारी ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। वहीं वे आईपीएल में भी धमाल मचाने को तैयार हैं। इसी बीच आइसलैंड क्रिकेट ने एक ट्वीट कर वैभव को अपनी टीम से

खिलाने का जिक्र किया है।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर आइसलैंड क्रिकेट का ट्वीट

वैभव सूर्यवंशी की इस विस्फोटक बल्लेबाजी को देखकर आइसलैंड क्रिकेट ने अपने खास मजाकिया अंदाज में ट्वीट करते हुए लिखा, अगर भारत उन्हें नहीं चुनता तो वैभव सूर्यवंशी आइसलैंडिक क्रिकेटर बनने के लिए 4 साल की योग्यता अवधि पूरी कर सकते थे और तब भी वे किशोर ही होते! यह सिर्फ अटकलें हैं।

आईपीएल और अंडर-19 में रिकॉर्ड्स की झड़ी

वैभव सूर्यवंशी का सफर किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। आईपीएल 2025 की नीलामी में जब राजस्थान रॉयल्स ने इस 13 वर्षीय बालक को 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा तो वह लीग के इतिहास के सबसे कम उम्र के करोड़पति खिलाड़ी बने। उन्होंने मैदान पर उतरते ही अपनी पहली गेंद पर छक्का जड़कर यह साबित कर दिया कि उनमें बड़े मंच का कोई डर नहीं है। आईपीएल में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 35 गेंदों में शतक जड़कर पुरुषों के टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में सेंचुरी बनाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया।

वर्ल्ड कप फाइनल के महाबली

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में वैभव ने जो किया वह सदियों तक याद रखा जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 80 गेंदों में 175 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली जिसमें 15 चौके और 15 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। यह किसी भी आईसीसी फाइनल में बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उनकी इस बेखौफ बल्लेबाजी ने भारत को छठा अंडर-19 विश्व खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने 19 महिला टी 20 विश्व कप विजेता कप्तान निकी प्रसाद को किया साइन

मुंबई,30 मार्च 2026। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, जो भारतीय समूह जेएसडब्ल्यू ग्रूप की जानी-मानी स्पोर्ट्स शाखा है,ने भारत की आईपीएल महिला 19 टी 20 विश्व कप 2025 जीतने वाली टीम की कप्तान निकी प्रसाद के साथ करार की पुष्टि की है। महज 20 साल की उम्र में,निकी ने पहले ही असाधारण नेतृत्व और निरंतरता का प्रदर्शन किया है,और खुद को इस खेल के भविष्य के सितारे के रूप में स्थापित किया है।एक स्थिर और शांत स्वभाव की लीडर,निकी ने नौ साल की उम्र में 16 में डेब्यू किया और,दो साल के भीतर ही, कर्नाटक की 19 टीम में जगह बना ली। 13 साल की उम्र में पेशेवर बनने के बाद से, निकी अपने प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता से लगातार प्रभावित करती रही हैं; हाल ही में उन्होंने भारत को 19 एशिया कप में जीत दिलाई, और फिर पिछले साल मलेशिया में टीम की कप्तानी करते हुए विश्व कप का खिताब भी जीता।

वह महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स का भी प्रतिनिधित्व करती हैं और पिछले दो सीज़न से इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रही हैं,जिससे उन्हें फ्रेंचाइजी क्रिकेट के उच्चतम स्तर पर बहुमूल्य अनुभव मिला है। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए 18 मैच खेले हैं, जिसमें सात मैचों में 30.60 की औसत से 153 रन बनाए हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 47 रन रहा है। इस करार के बारे में बात करते हुए, छ्स्ड्ड स्पोर्ट्स में टैलेंट और ब्रांड कंसल्टिंग के प्रमुख हिमांशु शर्मा ने कहा, निकी भारतीय क्रिकेटरों की उस नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं जो बहुत कम उम्र में ही कौशल,नेतृत्व और परिपक्वता का अद्भुत मेल हैं। घरेलू क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने से लेकर भारत को 19 विश्व कप का खिताब दिलाने तक, उनका अब तक का सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने आगे कहा, इतनी कम उम्र में उनका शांत स्वभाव और अपने आस-पास के लोगों को प्रेरित करने की क्षमता, ऐसे गुण हैं जो उन्हें सबसे अलग बनाते हैं। हमारा मानना है कि उनमें भारतीय महिला क्रिकेट के भविष्य को संवारने की अपार क्षमता है, और हम उन्हें आगे भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की दिशा में बढ़ते हुए सहयोग देने के लिए बेहद उत्साहित हैं। अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए, निकी प्रसाद ने कहा, मुझे जेएसडब्ल्यू परिवार में शामिल होकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मेरे लिए यह एक गर्व का पल है कि मैं एक ऐसे संगठन का हिस्सा बन रही हूँ जिसने अलग-अलग खेलों के एथलीटों को लगातार समर्थन दिया है और उन्हें आगे बढ़ाया है। युवा प्रतिभाओं पर उनका भरोसा मुझे बहुत आत्मविश्वास देता है, क्योंकि मैं अपने करियर में अगले कदम बढ़ा रही हूँ।

सिर्फ पीसीएल को मशहूर करने के लिए बॉल टेम्परिंग हुई?

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के मैच के दौरान फखर जमां पर गेंद के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। अब इस पर राशिद लतीफ ने बड़ा बयान दिया है...

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में बीते 29 मार्च को बड़ा बवाल हुआ है। लाहौर कलंदर्स के लिए खेलते हुए पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमां पर बॉल टेम्परिंग का आरोप लग रहा है। उनकी एक वीडियो भी वायरल हो रही है। इसके बाद अब काफी ज्यादा विवाद चल रहा है। वहीं इस बीच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी राशिद लतीफ ने भी इस मामले पर बड़ा बयान दिया है।

राशिद लतीफ ने अपने बयान में क्या कहा?

राशिद लतीफ की सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें वह कहते हैं,मुझे बॉल टेम्परिंग के बारे में बात नहीं करनी। नहीं तो मुझे अपने खेलते हुए दौर की भी बात करनी पड़ेगी। सिर्फ मौजूदा प्लेयर्स के बारे में बात करना सही नहीं होगा।उन्होंने आगे कहा, अगर कोई फिल्म आ रही होती है और फ्लॉप होती है ना,उसे कॉन्ट्रोवर्शियल (विवादित) बनाया जाता है। जिस तरह से द हंड्रेड में किया था कि कोई पाकिस्तानी प्लेयर नहीं खेलेगा। उससे पहले द हंड्रेड को कोई जानता नहूं था। अब पीएसएल में कॉन्ट्रोवर्सी हो गई और ये हेडलाइन बन जाएगी। 24 घंटे से ज्यादा यह खबर प्रासंगिक नहीं रहेगी।

आखिर क्या था पूरा मामला?

दरअसल,कराची किंग्स को लाहौर कलंदर्स के खिलाफ आखिरी ओवर में जीत के लिए 14 रन की जरूरत थी। ऐसे में ओवर से पहले हारिस रऊफ,कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और फखर जमां को देखा गया। इसके बाद फखर जमां बॉल अपने हाथ में लेते हैं और फिर वापस हारिस को दे देते हैं। इसके बाद अंपायर बॉल अपने पास चेक करने के लिए मंगाते हैं। बॉल के साथ छेड़छाड़ हुई होती है। इसके बाद अंपायर लाहौर कलंदर्स के खिलाफ 5 रन की पेनल्टी लगाते हैं। कराची किंग्स को आखिरी ओवर में जीत के लिए 14 रन चाहिए थे वो घटकर 9 रन रह गए। कराची ने यह मुकाबला 3 गेंद रहते अपने नाम कर लिया।

मार्को बेज़ेची ने लगातार 5वीं जीपी जीती, ऐसा करने वाले तीसरे इतालवी राइडर बने

टेक्सास,30 मार्च 2026। मार्को बेज़ेची (अप्रिलिया रेसिंग) ने लगातार पांचवीं ग्रैंड प्रिक्स जीत ली है,ऐसा करने वाले वह केवल तीसरे इतालवी राइडर हैं और उन्होंने 2014 में मार्क मार्केज़ के बाद पहली बार एक सीज़न की पहली तीन ग्रैंड प्रिक्स जीती हैं। यह लगातार दूसरी बार अप्रिलिया के लिए पहला और दूसरा स्थान रहा,क्योंकि जॉर्ज मार्टिन ने टिसोट स्प्रिंट गोल्ड के बाद रविवार को पोडियम पर जगह बनाई, जबकि पेड्रो अकोस्टा (रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग) तीसरे स्थान पर रहे। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एकोस्टा ने फ्रंट रो से शानदार शुरुआत करते हुए होलशॉट हासिल किया,वहीं बेज़ेची भी तेजी से आगे बढ़ते हुए दूसरे स्थान पर आ गए। मार्टिन ने तो और भी तेजी से आगे बढ़ते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया।

अजिंक्य रहाणे के एक बयान से हिल गया क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

कैमरन ग्रीन पर 25.20 करोड़ उड़ाकर फंसी केकेआर

नई दिल्ली,30 मार्च 2026। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी न करने के सवाल पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान ने इसका जवाब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछने को कहा था। रहाणे के बयान के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ग्रीन की फिटनेस और उनकी इंजरी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।

अभी तक इंजरी से जूझ रहे ग्रीन

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) का कहना है कि कैमरन ग्रीन पीठ की इंजरी से जूझ रहे हैं और इसकी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती 10 से 12 दिनों में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। सीए ने बताया कि इस बात की जानकारी पहले ही केकेआर के टीम मैनेजमेंट को दे दी गई थी। मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में केकेआर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

अजिंक्य रहाणे के बयान के बाद बवाल

मैच के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे से पूछा गया कि बाकी गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद ग्रीन से गेंदबाजी क्यों नहीं कराई गई? इस पर रहाणे ने कहा, आपको यह सवाल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए। रहाणे द्वारा निशाना साधे जाने के बाद ग्रीन को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी किया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दी सफाई

कैमरन ग्रीन की पीठ के निचले हिस्से में चोट है जिसको मैनेज किया जा रहा है। इस वजह से वह कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहेंगे। कैमरन 10 से 12 दिनों में पूरी तरह से फिट होने के बाद गेंदबाजी करते नजर आएंगे। केकेआर टीम को यह बात बता दी गई है और वह इस जानकारी से पूरी तरह से अवगत हैं।

25.20 करोड़ रुपये में ग्रीन को खरीदा

कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरन ग्रीन को ऑक्शन में 25.20 करोड़ की बड़ी बोली लगाते हुए टीम में शामिल किया था। ग्रीन अगर शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी नहीं करते हैं तो केकेआर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हर्षित राणा और आकाशदीप पहले ही चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं मथीशा पथिराना भी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बयान के अनुसार,ग्रीन कम से कम अगले दो से तीन मुकाबलों में अभी गेंदबाजी करते हुए दिखाई नहीं देंगे।

रायपुर निगम में 2130 करोड़ का बजट पेश

पंडरी-नरैया में वुमन हॉस्टल,शंकर-नगर-डूमरतराई में बनेगा इलेक्ट्रॉनिक-मार्केट

रायपुर,30 मार्च 2026। रायपुर नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मेयर मीनल चौबे ने 2130 करोड़ 35 लाख 13 हजार रुपए का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि, पंडरी और नरैया तालाब में वर्किंग वुमन हॉस्टल बनाया जाएगा।

नालंदा परिसर की तर्ज पर लाइब्रेरी और यूथ हॉस्टल बनाया जाएगा। शंकर नगर और डूमरतराई में इलेक्ट्रॉनिक मार्केट बनेगा। इसके निर्माण के लिए निगम 100 करोड़ का म्युनिसिपल बांड जारी करेगा। नगर निगम मुख्यालय और पंडरी में ऑटोमैटिक पार्किंग बनेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए 140 लाख की लागत से 268 कैमरे लगाए गए हैं।

कांग्रेस पार्षदों ने 'वादा तेरा वादा' गाना गाया : वहीं, बजट पेश करने से पहले कांग्रेस पार्षद दल ने विरोध जताया। सभी पार्षद हाथों में वादों के पोस्टर लेकर 'वादा तेरा वादा' गाना गाते हुए सदन में पहुंचे। इस पर सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने नाराजगी जताई। जमकर हंगामा भी हुआ। उन्होंने कहा कि,तख्तियां वापस रखी जाएं, तभी कार्यवाही शुरू हो पाएगी। वहीं,विपक्ष ने कहा कि पहले अधूरी वादों पर चर्चा हो,तभी तख्तियां वापस रखी जाएंगी। इसके अलावा विपक्षी पार्षदों पर कारवाई को लेकर सभापति और एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा के बीच तीखी बहस भी हुई।

महापौर ने जनता को ठगने का काम किया- नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा कि, महापौर ने जनता को ठगने का काम किया है। टैक्स में छूट के वादे का कोई जिक्र नहीं है। पिछले बजट की घोषणाओं को अब तक पूरा नहीं किया गया।

निगम की बड़ी घोषणाएं

- पंडरी और नरैया तालाब में बनाया जाएगा।
- वर्किंग वुमन हॉस्टल बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए 140 लाख की लागत से 268 कैमरे लगाए गए।
- नालंदा परिसर की तर्ज पर लाइब्रेरी और यूथ हॉस्टल बनाया जाएगा।
- शंकर नगर और हुमरतराई में बनेगा इलेक्ट्रॉनिक मार्केट।
- इसके निर्माण के लिए 100 करोड़ का म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करेगा।
- निगम नगर निगम मुख्यालय और पंडरी में बनेगी ऑटोमेटिक पार्किंग।

इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास को लेकर घोषणा

- सड़क चौड़ीकरण और नगर विकास योजनाओं के लिए 120 करोड़ रुपए।
- आवास योजना के लिए 45 करोड़ रुपए
- सीवेज और जल शुद्धिकरण प्रोजेक्ट के लिए बजट प्रावधान।
- शहर में नए सार्वजनिक शौचालय और सामुदायिक भवन भी बनाए जाएंगे।

पुलिस विभाग में 16 अधिकारियों का डीएसपी पद पर प्रमोशन

रायपुर,30 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग ने पुलिस विभाग में कार्यरत 16 निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को डीएसपी (उप पुलिस अधीक्षक) पद पर पदोन्नति देने का निर्णय लिया है। यह निर्णय 24 मार्च 2026 को हुई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर लिया गया। अधिकारियों की पदोन्नति वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (56,100 - 1,77,500 रुपए) में की गई है। पदोन्नति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। पदोन्नति में शामिल अधिकारी निरीक्षक संवर्ग,कंपनी कमांडर और विशेष शाखा के हैं। इनके पदोन्नत होने के बाद ये डीएसपी संवर्ग विशेष शाखा में शामिल होंगे। कंपनी कमांडर पद पर प्रमोट होने वाले प्रमुख अधिकारियों में बृजेश कुमार भदौरिया,अविनाश कुमार अग्निहोत्री,हरीश कुमार तिवारी,अमित शर्मा,मनीष कुमार साहू,शैलेन्द्र कुमार सेन,देव नारायण सिंह,इन्द्रसेन बंजारे,मिलमन मिंज, ओमप्रकाश सेन,राकेश कुमार सलाम,राम बहादुर शर्मा और शब्बीर अली शामिल हैं। पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों का पदस्थापना आदेश अलग से जारी किया जाएगा। अधिकारियों की इस पदोन्नति से विभाग में नयापन आएगा और पुलिस विभाग के प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था कार्यों में मजबूती

बढ़ेगी। पिछले वर्षों में पुलिस विभाग ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले निरीक्षकों और कंपनी कमांडरों को पदोन्नति देने का क्रम जारी रखा है। इस बार भी यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और नियमों के तहत पूरी की गई है। अधिकारियों की लंबी सेवाओं, अनुशासन और प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए उन्हें डीएसपी पद पर पदोन्नति दी गई है। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग ने बताया कि डीएसपी पद पर पदोन्नति प्राप्त अधिकारी अब अपने-अपने क्षेत्र और जिम्मेदारियों में और अधिक प्रभावी तरीके से काम करेंगे। विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयनित सभी अधिकारियों की योग्यता और अनुभव को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। इस पदोन्नति से पुलिस विभाग की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और कानून व्यवस्था बनाए रखने में अधिकारियों की भूमिका और मजबूत होगी।

छत्तीसगढ़ में टोल प्लाजा रेट में 5 की बढ़ोत्तरी

1 अप्रैल से लागू होगी नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की नई दरें

बिलासपुर,30 मार्च 2026। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने छत्तीसगढ़ से अलग-अलग शहरों के लिए जाने वाले नेशनल हाईवे की टोल दरों में बढ़ोतरी की है। इसमें बिलासपुर से रायपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़ समेत सभी टोल प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब 1 अप्रैल से हर टोल प्लाजा से गुजरने पर 5 रुपए एक्स्ट्रा टैक्स देना होगा। इसी तरह एनुअल (वार्षिक) पासधारकों को 75 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। राहत की बात है कि, स्थानीय पासधारकों को पुराने दर पर ही सफर करने की छूट है। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए टोल की नई दरें जारी कर दी हैं। बिलासपुर जिले के 4 प्रमुख टोल प्लाजा भोजपुरी,

मुढ़ीपार,पाराघाट और बगदेवा से रोजाना गुजरने वाले करीब एक लाख से ज्यादा वाहनों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। विशेष रूप से बिलासपुर से रायपुर और पड़ोसी जिलों के बीच आने-जाने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

5 से 20 रुपए टैक्स की बढ़ोतरी : नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में 5 से 10% शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। अलग-अलग टोल मैनेजमेंट और एनएचएआई से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, ये बढ़ोतरी 5 से लेकर 20 रुपए तक की है। रिंग रोड पर प्राइवेट के अलावा हल्के कॉमर्शियल वाहनों के लिए बढ़ोतरी नहीं की गई है। यहां केवल भारी कॉमर्शियल गाड़ियों के लिए टोल रेटों में 5 से लेकर 20 रुपए तक बढ़ोतरी की गई है।

सालाना पास के लिए 3075 रुपए देने होंगे : नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने कार के लिए बनाए जाने वाले सालाना पास की कीमतों में 75 रुपए की बढ़ोतरी की। ये बढ़ोतरी भी 1 अप्रैल से लागू होगी। अभी सालाना पास 3 हजार रुपए में बनता है, जिसमें 200 टोल बूथ क्रॉस करने की लिमिट होती है। 1 अप्रैल से बनने वाले सालाना पास के लिए अब 3075 रुपए देने पड़ेंगे।

भीषण गर्मी के बीच बदलेगा मौसम का मिजाज

रायपुर, 30 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में झुलसाती गर्मी के बीच अब मौसम करवट लेने वाला है। फिलहाल प्रदेश में तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में लोगों को राहत मिलने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2-3 दिनों के बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। रविवार को प्रदेश का सबसे गर्म जिला राजनांदगांव रहा, जहां तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अभी तक प्रदेश में बारिश नहीं हुई है, लेकिन अब हालात बदलने वाले हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बिहार से पश्चिम बंगाल तक फैला निम्न दबाव क्षेत्र और ओडिशा से तमिलनाडु तक सक्रिय द्रोणिका सिस्टम मौसम में बदलाव की बड़ी वजह बन रहा है। इन सिस्टम्स के असर से छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में हल्की बारिश और तेज हवाएं देखने को मिल सकती हैं। प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। इसके साथ ही 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

आधुनिक तकनीक के साथ संवेदनशीलता ही नई पुलिसिंग की पहचान है : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 30 मार्च 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय चंदखुरी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में आयोजित उप निरीक्षक संवर्ग के दीक्षांत (पासिंग आउट परेड) समारोह में शामिल हुए। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। इस अवसर पर सूबेदार,उप निरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर संवर्ग के अधिकारियों को सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस सत्र में कुल 859 प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण पूर्ण किया, जिनमें 54 सूबेदार, 528 उप निरीक्षक (जीडी), 02 उप निरीक्षक (कंप्यूटर), 01 उप निरीक्षक (रेडियो), 01 उप निरीक्षक (अंगुली चिन्ह), 68 उप निरीक्षक (एसबी) तथा 205 प्लाटून कमांडर शामिल हैं। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन सभी प्रशिक्षुओं के जीवन का एक यादगार पड़ाव है,जहाँ से वे राष्ट्र और छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा के लिए संकल्पित होकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कठोर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त यह उपलब्धि न केवल प्रशिक्षुओं के लिए,बल्कि उनके परिजनों और पूरे प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले वर्ष जब उन्होंने इन्हीं युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे,तब उनके पास प्रतिभा थी, और आज प्रशिक्षण के बाद उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का समावेश हो चुका है,जो उन्हें एक सफल अधिकारी बनाएगा। मुख्यमंत्री साय ने पुलिस सेवा को अत्यंत प्रतिष्ठित एवं जिम्मेदारीपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी प्रतिष्ठित सेवा

का आधार सत्यनिष्ठा होती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि पुलिस का मूल दायित्व नागरिकों की रक्षा करना है। जब भी कोई नागरिक असुरक्षित महसूस करता है, तो सबसे पहले पुलिस के पास ही जाता है। इसलिए जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्दी केवल अधिकार नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा का संकल्प और उससे जुड़ी प्रतिष्ठा का प्रतीक है, जिसे हर परिस्थिति में बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी कभी आसान नहीं होती,लेकिन क्षमता और समर्पण के साथ इसे सफलतापूर्वक निभाया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान किए गए कठिन परिश्रम की तरह ही सेवा में भी निरंतर प्रयास और समर्पण से संतोष और सफलता प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज का यह निष्क्रमण केवल अकादमी से बाहर निकलना नहीं, बल्कि वास्तविक कार्यक्षेत्र में प्रवेश का संकेत है। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के 'निष्क्रमण संस्कार' से जोड़ते हुए बताया कि जैसे शिशु पहली बार घर से बाहर निकलता है,उसी प्रकार आज ये प्रशिक्षु सुरक्षित प्रशिक्षण वातावरण से निकलकर व्यापक जिम्मेदारियों वाले सेवा क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पुलिसिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। पिछले दो वर्षों में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्वरित बनाया गया है, आधुनिक तकनीक और उपकरणों को पुलिस बल में शामिल किया गया है तथा साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष इकाइयाँ स्थापित की गई हैं। साथ ही प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक और आधुनिक स्वरूप दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य की पुलिस केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं होगी, बल्कि एक सक्रिय सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करेगी, जिसके लिए उसे प्रतिक्रियात्मक से सक्रियात्मक एजेंसी में रूपांतरित होना होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश वर्तमान में एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिसमें औपनिवेशिक कानूनों के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून लागू किए गए हैं। यह दीक्षांत समारोह इस दृष्टि से विशेष महत्व रखता है कि यह उप निरीक्षकों का पहला बैच है, जिसने इन नवीन संहिताओं के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये अधिकारी इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षा, विकास और विश्वास इन तीन स्तंभों पर कार्य कर रही है और पुलिस की भूमिका इन तीनों को सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पुलिस को केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज से जुड़कर लोगों का विश्वास जीतना चाहिए, क्योंकि क्षेत्र डर से जीता जा सकता है, लेकिन दिल केवल विश्वास से ही जीता जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में स्मार्ट, तकनीक-संचालित और संवेदनशील पुलिस व्यवस्था की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य की पुलिस डिजिटल, तकनीकी और उन्नत साधनों से लैस होगी, लेकिन जनता का विश्वास केवल व्यवहार, आचरण और निष्ठा से ही अर्जित किया जा सकता है।

जंगल में मिला हथियारों का जखीरा...एके-47,इंसास रायफल समेत अन्य सामान बरामद

मोहला-मानपुर,30 मार्च 2026। जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। घने जंगलों में छिपाकर रखा गया माओवादियों का हथियारों का जखीरा बरामद किया गया,जिसमें एके-47 और इंसास रायफल जैसे घातक हथियार शामिल हैं। यह

ऑपरेशन मोहला-मानपुर के बस्तर सीमावर्ती इलाके में चलाया गया, जहां डीआरजी और Indo-Tibetan Border Police के जवानों ने संयुक्त रूप से सर्च अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर जंगल में दबिश दी। सर्च ऑपरेशन के दौरान कांकेर जिले के उयकाटोला,कोवाचीटोला और मानपुर ब्लॉक के कलवर गांव के बीच जंगल में एक गड्ढे में छिपाया गया नक्सल डंप मिला। इस डंप से एक एके-47,एक इंसास रायफल, भारी मात्रा में कारतूस और अन्य हथियार संबंधी सामग्री बरामद की गई। सुरक्षा बलों ने सभी हथियारों को जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया है। माना जा रहा है कि ये जखीरा किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए छिपाया गया था, जिसे समय रहते बरामद कर लिया गया। गौरतलब है कि इसी इलाके में पहले भी माओवादियों की गतिविधियां सामने आती रही हैं, और हाल ही में आरकेबी डिवीजन के पांच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण भी किया था।

प्रेमी जोड़े ने लगाई फांसी,दो दिन में दूसरी बड़ी घटना से इलाके में फैली सनसनी

महासमुंद,30 मार्च 2026। जिले से एक बार फिर सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पिथौरा थाना क्षेत्र में एक प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। हैरानी की बात यह है कि दो दिनों के भीतर इस तरह की यह दूसरी घटना है, जिससे पूरे इलाके में भय और चर्चा का माहौल बन गया है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,मृत युवती खल्लारी थाना क्षेत्र के धरमपुरा गांव की रहने वाली बताई जा रही है, जबकि युवक पटेवा क्षेत्र का निवासी है। दोनों के शव एक ही स्थान पर फांसी के फंदे से लटके मिले, जिससे यह मामला प्रेम संबंध से जुड़ा माना जा रहा है। घटनास्थल से मिली जानकारी के मुताबिक,युवती के हाथ पर गोदने से 'अंकिता' नाम लिखा हुआ है। वहीं पास में मिले आधार कार्ड के आधार पर उसे नाबालिग बताया जा रहा है, जिससे मामला और भी संवेदनशील हो गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

पढ़ाई सीबीएसई की,एग्जाम छत्तीसगढ़ बोर्ड का!

बिलासपुर के स्कूलों की मनमानी पर हाईकोर्ट का शिकंजा

बिलासपुर,30 मार्च 2026। शहर के दो नामी निजी स्कूलों–ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल और नारायणा टेक्नो स्कूल–की बड़ी लापरवाही और मनमानी उजागर हुई है। आरोप है कि पूरे साल छात्रों को सीबीएसई पैटर्न से पढ़ाई कराई गई, लेकिन परीक्षा के समय उन्हें छत्तीसगढ़ बोर्ड का पेपर देने के लिए मजबूर कर दिया गया। मामले ने तूल पकड़ा तो छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए शिक्षा सचिव से शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा है। जानकारी के अनुसार,इन स्कूलों में कक्षा 5वीं और 8 वीं के छात्रों को पूरे साल सीबीएसई सिलेबस के तहत पढ़ाया गया। अभिभावकों का आरोप है कि सीबीएसई के नाम पर उनसे भारी फीस भी वसूली गई।

स्कूल प्रबंधन ने फरवरी में आंतरिक परीक्षा भी ले ली थी। विवाद तब खड़ा हुआ जब राज्य सरकार ने इस वर्ष 5 वीं और 8 वीं की परीक्षाएं बोर्ड स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया। चूंकि संबंधित स्कूलों के पास सीबीएसई की मान्यता नहीं थी, इसलिए प्रबंधन ने छात्रों पर छत्तीसगढ़ बोर्ड की परीक्षा देने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

अभिभावकों का विरोध, कलेक्टर बंगले तक प्रदर्शन : स्कूल की इस कार्रवाई से नाराज अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने स्कूल परिसर से लेकर कलेक्ट्रेट तक विरोध प्रदर्शन किया और कलेक्टर बंगले का घेराव कर जमकर हंगामा किया। अभिभावकों का कहना है कि जब अंत में छत्तीसगढ़ बोर्ड का ही एग्जाम दिलाना था, तो सीबीएसई के नाम पर फीस क्यों ली गई।

हाईकोर्ट में मामला, सरकार से जवाब तलब : यह मुद्दा शिक्षा के अधिकार से जुड़ी एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आया। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने मामले को गंभीर मानते हुए शिक्षा सचिव को विस्तृत शपथ-पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सरकार की ओर से दलील दी गई कि सीबीएसई ने मान्यता के नियम कड़े कर दिए हैं, जिसके तहत अब केवल 12 वीं तक संचालित स्कूलों को ही मान्यता मिल रही है। कोर्ट ने इस पर विस्तृत जानकारी मांगी है।

बीजेपी नेता के बेटे की शादी में चोरी,कैश और जेवरात पार

राजिम,30 मार्च 2026। फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम सेंदर में आयोजित एक आशीर्वाद समारोह के दौरान अज्ञात चोरों ने मंच से नगदी और सोने-चांदी के जेवरों से भरा थैला पार कर दिया। घटना रविवार देर रात 1 से 2 बजे के बीच की बताई जा रही है। चोरी की इस वारदात से समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक ग्राम सेंदर निवासी पूर्व सरपंच व भाजपा नेता रामाधार साहू के पुत्र नोसराम साहू के विवाह के उपलक्ष्य में 28 मार्च की रात हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम रात 8 बजे शुरू होकर तड़के 3 से 3:30 बजे तक चला,जिसमें करीब 4 से 5 हजार लोग शामिल हुए। मेहमान मंच पर पहुंचकर नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने के साथ उपहार व नगद राशि से भरे लिफाफे दे रहे थे। इन उपहारों को दो थैलों में रखा गया था। करीब 1:30 बजे वर-वधु फोटो सेशन के लिए मंच से लगभग 100 मीटर दूर बनाए गए सेल्फी जोन में गए। इसी बीच अज्ञात व्यक्ति मंच पर रखे एक थैले को पार कर ले गए, जबकि दूसरा आधा भरा थैला वहीं पड़ा रहा। फोटो सेशन के बाद जब परिजनों की नजर थैलों पर पड़ी तो एक थैला गायब मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और मेहमानों में हड़कंप मच गया। काफी खोजबीन के बाद भी थैले का कोई पता नहीं चल सका।

मंच के पीछे बर्तन धोने वाले स्थान के पास खड़े ट्रैक्टर के पीछे कुछ लिफाफे फटे हुए और खुले पड़े मिले।

रायपुर निगम ने 2 होली-क्रॉस स्कूलों को किया सील,58 लाख प्रॉपर्टी टैक्स बकाया

रायपुर,30 मार्च 2026। रायपुर निगम की राजस्व विभाग की टीम ने दो बड़े स्कूलों पर कार्रवाई की है। प्रॉपर्टी टैक्स बकाया होने पर बैरनबाजार और शैलेन्द्र नगर के होली क्रॉस स्कूलों को सील कर दिया। बैरनबाजार के स्कूल पर करीब 34 लाख रुपए और शैलेन्द्र नगर स्थित स्कूल पर करीब 24 लाख रुपए का बकाया था। निगम ने कई बार नोटिस जारी किया, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने भुगतान नहीं किया। इसके बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और दोनों परिसरों के मुख्य गेट पर ताला

लगाकर सीलबंदी की कार्रवाई की। यह कार्रवाई नगर निगम जोन-4 के तहत की गई,जहां जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने अभियान चलाया।

महतारी वंदन योजना : अब थंब इंप्रेशन से साबित करनी होगी पहचान,1 अप्रैल से बायोमीट्रिक ई-केवाईसी अनिवार्य

रायपुर,30 मार्च 2026। महतारी वंदन योजना लागू होने के बाद से सरकार ने पहली बार ऐसा आदेश दिया है। जिसके तहत सभी लाभार्थी महिलाओं को सीएससी सेंटरों में जाकर बायोमीट्रिक पहचान साबित करनी होगी। इससे यह पता चलेगा कि लाभार्थियों में कितने जीवित और पात्र हैं। भाजपा के लिए गेमचेंजर साबित हुई इस योजना में कड़ाई नहीं की गई थी। जो भी पात्रता के मापदंड थे, उसके हिसाब से महिलाओं का सत्यापन नहीं हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग ने फिल्टर करने के लिए कोई मैकेनिज्म नहीं बनाया।

अपात्रों की छंटाई के लिए बनाया गया सख्त मैकेनिज्म : गौरतलब है कि मात्री वंदन

योजना में अपात्रों की छंटाई की कोई व्यवस्था ही नहीं की गई। मार्च 2024 से लागू योजना में केवल आधार कार्ड और उससे लिंक्ड एकाउंट देने पर ही पंजीयन हो गया। कई महिलाओं ने तो आधार लिंक भी नहीं कराया। एकाउंट नंबर भी गलत दिए गए। वैवाहिक स्थिति की जानकारी भी गलत दी गई। धीरे-धीरे ऐसे हितग्राहियों को डाटाबेस से फिल्टर किया जा रहा है।

30 जून तक बायोमीट्रिक पहचान अनिवार्य : इस तरह एक अप्रैल से 30 जून के बीच सभी महिलाओं को सीएससी सेंटर में पहुंचकर बायोमीट्रिक पहचान दर्ज करानी होगी। सरकार देखना चाहती है कि जिस महिला को जिस जगह पर लाभ दिया जा रहा है, वह उस स्थान पर मौजूद है या नहीं। इसके पहले मोबाइल नंबर, नाम और आधार कार्ड में अंतर मिलने पर पेमेंट होल्ड किया जा रहा है। सरकार ने आदेश दिया है कि हर महिला को सीएससी केंद्र में जाकर उपस्थिति देनी होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)